संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, सोमवार, 26 जून 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2022 की टॉपर इशिता किशोर और 03 अन्य सफल अभ्यर्थियों से को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 173 पृष्ठः 08 RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com उत्तराखण्ड संस्करण दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

पीएम मोदी को मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान

प्रेसिडेंट अल-सीसी ने ऑर्डर ऑफ नाइल से सम्मानित किया, 11वीं सदी की मस्जिद भी पहुंचे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र की हेलियोपोलिस वार मेमोरियल भी भी गए और पुष्पांजलि अर्पित की।

सम्मान

8 मोदी ने अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। भारत के बोहरा समुदाय की सहायता से दोबारा बनाया गया ह

टीम एक्शन इंडिया/काहिरा
2 दिन के दौरे पर मिस्र पहुंचे पीएम मोदी ने राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। सीसी ने उन्हें मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ नाइल' से सम्मानित किया। इसके पहले मोदी ने 11वीं सदी की अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। इसे भारत के बोहरा समुदाय की सहायता से दोबारा बनाया गया है।

प्रधानमंत्री हेलियोपोलिस स्मारक भी गए। यहां उन्होंने पहले विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक राष्ट्रमंडल ने बनवाया है। यह उन 3,799 भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने इजिप्ट में प्रथम विश्व युद्ध के में अपनी जान गंवा दी थी।

क्या है ऑर्डर ऑफ नाइल...

इजिप्ट में इसे 'किलादात अल नाइल'कहा जाता है। 1915 में इसकी शुरूआत सुल्तान हुसैन कामिल ने की थी। यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने देश सेवा में अहम योगदान दिया हो। 1953 में मिस्र गणतंत्र बना और इसके बाद ऑर्डर ऑफ नाइल को देश के सर्वोच्च सम्मान का दर्जा दिया गया। इसमें जो नाइल शब्द है, वो दरअसल नील नदी से जुड़ा है। इस अवॉर्ड की चार कैटेगरीज हैं।

26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का दौरा

मिस्र की जियोग्राफिक और स्ट्रैटेजिक लोकेशन सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए कई मायनों में बेहद अहम है। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री इजिप्ट दौरे पर पहुंचा है। सऊदी अरब के अखबार द नेशनल से बातचीत में पूर्व डिप्लोमैट अनिल त्रिगुणायत ने कहा- मोदी का यह दौरा भारत और इजिप्ट के करीबी रिश्तों को दिखाता है। अब

तक इजिप्ट का लगभग हर प्रेसिडेंट भारत दौरे पर गया है। अनिल लीबिया और जॉर्डन में भारत के ऐंबेसडर रह चुके हैं। अनिल कहते हैं- इजिप्ट भारत को बहुत अहमियत दे रहा है। अफ्रीका में यह सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। भारत के लिए भी इजिप्ट अहम है। अच्छी बात ये है कि दोनों देशों के लोगों के बीच भी बहुत करीबी रिश्ते रहे हैं। भारत की आजादी के बाद से ही दोनों देश किसी न किसी तौर पर जुड़े रहे हैं। इजिप्ट भारत के साथ डिफेंस और टेक्नोलॉजी सेक्टर में ट्रेड पर फोकस कर रहा है।

मोदी को इजिप्ट के पीएम ने रिसीव किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दो दिन के दौरे पर इजिप्ट पहुंचे। मोदी को एयरपोर्ट पर वहां के प्रधानमंत्री ने रिसीव किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री मिस्र पहुंचा है। मोदी यहां भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की। मिस्र में भारत के एंबेसडर अजीत गुप्ते ने कहा कि भारत और मिस्र के व्यापारिक संबंध चार हजार साल पुराने हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से संबंध और मजबूत होंगे। काहिरा के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान वंदेमातरम और मोदी-मोदी के नारे भी लगे। साड़ी पहन मिस्र की एक महिला जेना ने मोदी को फिल्म शोले का गीत ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे... गाकर सुनाया। मोदी ने तब आश्चर्य हुआ जब महिला ने बताया कि वह बहुत कम हिंदी जानती है।

मणिपुर में भीड़ ने प्रतिबंधित-ग्रुप के 12 लोगों को छुड़ाया

टीम एक्शन इंडिया/इंफाल
मणिपुर में हिंसा से निपटना सुरक्षाबलों के लिए कठिन हो रहा है। एक और उपद्रवी तत्व हिंसा फैलाने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर कानून के अनुसार कार्रवाई करने की राह में सुरक्षाबलों को अनेक रुकावटें आ रही हैं। सुरक्षा सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय महिला संगठन जवानों पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा कर प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि इंफाल पूर्व के कांग्लातोंबी इलाके की महिलाओं ने कांग्लातोंबी बाजार बोर्ड की महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार किया।

योगी ने गौतमबुद्धनगर को दी सौगात

टीम एक्शन इंडिया/ गौतमबुद्धनगर
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गौतमबुद्धनगर जिले में 1719 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं नोएडा और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने नोएडा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान आपातकाल की 48वीं बरसी पर 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर तैयार हो रहे विपक्षी गठजोड़ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जेपी और लोहिया के नाम पर राजनीति करने वाले लोग लोकतंत्र की हत्या करने वाली कांग्रेस के साथ हैं। योगी ने कहा कि आज ही के दिन वर्ष 1975 में कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि

विकास कार्य

8 1719 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात, कुल 124 परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। वहीं भारत से अलग होने वाला पाकिस्तान एक-एक रोटी के लिए मोहताज है। अपने कृत्यों के कारण बहुत ही जल्द उत्तर प्रदेश के माफिया की तरह पाकिस्तान भी ठंडा हो जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने जनता की सुरक्षा के लिए नोएडा पुलिस को 15 नए बोलेरो वाहन सौंपे।
म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर सांकेतिक तौर पर एमओयू मसौदे का हस्तांतरण किया गया।

संघ के मुखपत्र में इंदिरा गांधी की तुलना हिटलर से

निशाना साधा

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी। इमरजेंसी के 48 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की पत्रिका पांचजन्य ने इंदिरा गांधी की तुलना जर्मनी के तानाशाह हिटलर से की है। पांचजन्य पत्रिका ने अपने नए अंक के कवर पेज पर हिटलर और इंदिरा गांधी की तस्वीर लगाई है और इसे 'हिटलर गांधी' का नाम दिया है। पत्रिका ने लिखा है- दो तानाशाह, एक जैसी इबारत। पत्रिका ने लिखा- हिटलर के जघन्य अपराधों को नकारने अथवा भुलाने पर यूरोप में कई जगह कानूनी पाबंदी है। यह उनके लिए अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। यही स्थिति भारत में इंदिरा गांधी के लगाए आपातकाल की है, जिसे भुलाना लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए खतरनाक हो सकता है। आइए, याद करें 25 जून 1975 की काली रात से शुरू हुई वह दास्तान...।

इतिहास में भुलाए जाने वाला समयः मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा- मैं उन सभी साहसी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और हमारी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। नड्डा ने लिखा- 25 जून 1975 को एक परिवार ने अपने तानाशाही प्रवृत्ति के कारण देश के महान लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल जैसा कलंक थोपा था। जिसकी निर्दयता ने सैकड़ों वर्षों के विदेशी शासन के अत्याचार को भी पीछे छोड़ दिया।

'सेना ने मस्जिद में जय-श्रीराम के नारे लगवाए'

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर
जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने सेना के जवानों पर मुस्लिमों से जय श्री राम के नारे लगवाने का आरोप लगाया है। महबूबा ने शनिवार को एक ट्वीट करके कहा- 50 बटालियन के जवान पुलवामा की एक मस्जिद में घुसे और मुस्लिम लोगों से जबरदस्ती नारे लगवाए। उन्होंने लिखा- 50 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों के पुलवामा की मस्जिद में घुसने और वहां मौजूद मुस्लिमों को जय श्री राम कहने के लिए मजबूर करने की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। जब अमित शाह यहां है तब ऐसी हरकत करना और वो भी यात्रा से कुछ समय पहले, ये सिर्फ उकसाने के लिए किया गया है।

एमक्यू-9 बी ड्रोन की कीमतें तय नहीं

स्पष्ट किया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली
रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने अमेरिका से खरीदे जाने वाले 31 एमक्यू-9बी ड्रोन को लेकर साफ किया है कि अभी इनकी कीमतें तय नहीं हुई हैं, अमेरिकी सरकार की नीति मंजूरी मिलने के बाद कीमत पर बातचीत की जाएगी। कीमत और खरीद की अन्य नियम एवं शर्तें अभी तय नहीं की गई हैं और ये बातचीत के अधीन हैं। एमओडी जनरल एटॉमिक्स (जीए) से तालमेल करके अन्य देशों की तुलना में सर्वोत्तम कीमत से खरीद करेगा।

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 15 जून को तीनों सेनाओं के लिए 31 एमक्यू-9बी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (हेल) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम के अधिग्रहण के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। इसमें 16 स्काई गार्जियन और 15सी गार्जियन ड्रोन हैं। यह

8 अमेरिकी सरकार की नीति मंजूरी मिलने के बाद कीमत पर ड्रोन के दाम पर होगी बातचीत

खरीद संयुक्त राज्य अमेरिका से विदेशी सैन्य बिक्री मार्ग से की जानी है। एओएन में संबंधित उपकरणों के साथ खरीदे जाने वाले यूएवी की संख्या शामिल थी। हालांकि, डीएसी ने एओएन में अमेरिकी सरकार से प्रदान की गई 3,072 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत का उल्लेख किया।

'इमरजेंसी थोपने वाली कांग्रेस की गोद में बैठे लालू-नीतीश'

टीम एक्शन इंडिया/पटना
बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि 48 वर्ष पूर्व देश में आपातकाल घोषित करने वाली कांग्रेस की गोद में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार बैठ गए हैं।देश में इमरजेंसी थोपने वाली कांग्रेस और उसका साथ देने वाले लालू-नीतीश को कभी बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। सुशील मोदी ने रविवार को बयान जारी कर कहा

8 कांग्रेस और उसका साथ देने वाले लालू-नीतीश को कभी बिहार की जनता माफ नहीं करेगी

कि लालू-नीतीश सरकार ने बिहार में आपातकाल जैसी स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी एकता सम्मेलन के दौरान भाजपा के 100 से ज्यादा होर्डिंग को हटा दिया गया।

'पति की खरीदी संपत्ति में पत्नी बराबर की हकदार'

ऐतिहासिक

टीम एक्शन इंडिया/चेन्नई
एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक पत्नी, उस संपत्ति में बराबर की हकदार हे, जिसे उसके पति ने अपने नाम पर खरीदा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसने घरेलू कामकाज करके पारिवारिक संपत्ति के बनाने और खरीदने में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है।
जस्टिस कृष्णन रामासामी ने कहा कि हालांकि वर्तमान में ऐसा कोई कानून नहीं है जो पत्नी के योगदान

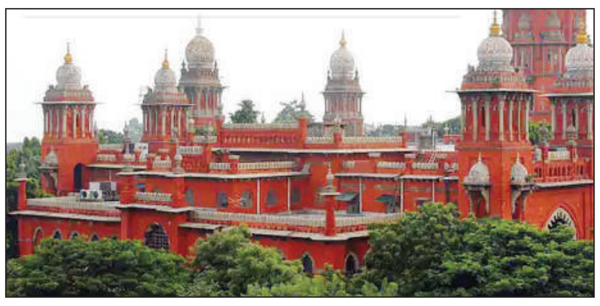

को मान्यता देता हो, कोर्ट ही इसे अच्छी तरह मान्यता दे सकता है। कानून भी किसी जज को पत्नी के योगदान को मान्यता देने से नहीं रोकता है। कन्नियन नायडू नाम के शख्स ने एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन कोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसमें उसने कहा था कि उसकी पत्नी वो संपत्ति हड़पना चाहती है, जिसे खरीदने के लिए

8 घरेलू कामकाज करके पारिवारिक संपत्ति के बनाने और खरीदने में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है

लिए उसने पत्नी को पैसे भेजे थे। कन्नियन ने कोर्ट से कहा था कि विदेश में रहते हुए वह अपने नाम पर संपत्ति नहीं खरीद सकता था, इसलिए उसने पत्नी के नाम पर खरीदा। इस मामले में कन्नियन की पत्नी कंसाला ने कहा कि वह सभी संपत्तियों में बराबर की हकदार है।

भड़काऊ औवेसी ने हाथ उठाकर चुप रहने का इशारा किया, बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने कडासने से औवेसी की सभा की शिकायत की थी

असदुद्दीन औवेसी की रैली में नारे लगे- औरंगजेब अमर रहे के नारे

शिकायत

8 भाषण के बीच कुछ लोगों ने औरंगजेब अमर रहे... के नारे लगाने शुरू कर दिए, वीडियो वायरल हो गया

टीम एक्शन इंडिया/औरंगाबाद
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी शनिवार को बुलढाणा के मलकापुर में जनसभा कर रहे थे। उनके भाषण के बीच कुछ लोगों ने औरंगजेब अमर रहे... के नारे लगाने शुरू कर

दिए। इसका वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में लोगों को यह कहते सुना गया कि जब तक सूरज चांद रहेगा, औरंगजेब का नाम रहेगा। जब ये नारेबाजी हो रही थी तब औवेसी इन लोगों को हाथ से चुप रहने का इशारा करते नजर आ रहे थे। हालांकि, बाद में औवेसी ने कहा कि कुछ न्यूज चैनलों ने मेरी सभा में औरंगजेब के नारे लगने की झूठी खबरें चलाई हैं। मैं उनके खिलाफ केस करूंगा।
बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने बुलढाणा एसपी सुनील कडासने से औवेसी की सभा में औरंगजेब के नारे लगने की शिकायत की थी। उन्होंने नारे लगाने वालों पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। जिसके बाद, पुलिस ने वीडियो की जांच कर कानूनी कार्रवाई की बात कही। औवेसी ने जनसभा के दौरान 23 जून को पटना में हुई विपक्षी पार्टियों की मीटिंग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा - मुझे नहीं पता कि हमें क्यों नहीं बुलाया गया। जलील ने जो मुद्दा उठाया है वो गंभीर है।

कोल्हापुर में औरंगजेब पर पोस्ट पर हुई थीं हिंसा

कोल्हापुर में औरंगजेब की तारीफ में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई थी। जिसमें दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे चले और पत्थरबाजी हुई थी। इस दौरान पुलिस को प्रदर्शन कर रही भीड़ को तितर-बितर करने लाठी चार्ज करना पड़ा था। दरअसल, एक वॉट्सऐप ग्रुप पर औरंगजेब की तारीफ में कुछ लोगों ने एक पोस्ट वायरल किया था। इसके विरोध में हिन्दू संगठनों ने कोल्हापुर बंद का ऐलान किया था। वे इन लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

प्रेमी पर लगा पोस्को केस खारिज किया

फैसला

टीम एक्शन इंडिया/शिलॉन्ग
मेघालय हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति पर पोस्को के तहत दर्ज किए केस को खारिज करते हुए उसे रिहा कर दिया। शिलॉन्ग बेंच ने आरोपी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने पॉक्सो के तहत दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की गई थी। आरोपी जॉन फ्रैंकलिन का दावा था कि उसने नाबालिग का यौन उत्पीड़न नहीं किया है, बल्कि दोनों ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाए थे, क्योंकि दोनों एक-दूसरे से प्यार करते हैं। जस्टिस डिएंगदोह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इसमें कोई अपराध शामिल नहीं है। 16

साल की नाबालिग इस पर फैसला लेने के काबिल है कि सेक्स करना सही है या गलत।
क्या था मामलाः रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी जॉन फ्रैंकलिन कई घरों में काम करता था। इस दौरान उसकी लड़की से मुलाकात हुई। इसके बाद दोनों ने जॉन के रिश्तेदार के घर सहमति से शारीरिक संबंध बनाए। लड़की की मां को जब यह पता चला तो

8 16 साल के किशोर ये फैसला करने में सक्षम कि सेक्स करना सही या गलतः हाईकोर्ट

उन्होंने जॉन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। जॉन पर पोस्को एक्ट 2012 की धारा 3 और 4 के तहत केस दर्ज हुआ। इसके खिलाफ जॉन ने हाईकोर्ट में अपील की। जॉन ने कहा कि यह यौन उत्पीड़न नहीं है, क्योंकि नाबालिग ने की धारा 164 के तहत अपने बयान और कोर्ट में गवाही के दौरान कहा है कि दोनों प्रेमी-प्रेमिका हैं।

उत्तराखंड में मानसून की दस्तक, चौतरफा बरसात, मुख्यमंत्री धामी पहुंचे कंट्रोल रूम

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड में इस बार छह दिन पहले मानसून ने दस्तक दी है। देहरादून, मसूरी, हरिद्वार, रुड़की और ऋषिकेश में रविवार सुबह से मानसून की बौछारें पड़ रही हैं। ऊपरी क्षेत्र में बर्फबारी से मौसम सर्द है। मौसम विज्ञान विभाग ने 30 जून तक तेज बारिश की चेतावनी दी है। इस पर आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुबह सचिवालय में स्थापित कंट्रोल रूम पहुंचकर राज्य में बारिश को लेकर बातचीत की। राज्य में देररात से बारिश हो रही है। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन

अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के अधिकांश जिलों में बरसात हो रही है। देहरादून और मसूरी में आसपास के इलाकों के बरसाती नाले उफान पर हैं। देहरादून में स्मार्ट सिटी के कार्यों के लेकर सड़कों पर की गई खुदाई के चलते लोगों को आवागमन में दिक्कतें उठानी पड़ रही है। देहरादून में कुल नौ मार्ग बंद हो गए हैं। इनमें आठ ग्रामीण और साहिया क्यानु राज्य मार्ग स्लीप आने से बंद है। उसे खोला जा रहा है।
रुड़की और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही। ऋषिकेश में मध्यरात्रि से हल्की बूंदाबांदी हो रही थी। रविवार की सुबह मूसलाधार बारिश में बदल गई। केदारनाथ के ऊपरी क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी से ठंड शुरू हो गई है। चम्पावत जिले में भी बारिश हो रही है। चमोली में भी आसमान में बादल छाए हुये हैं। टिहरी जनपद में हल्की बारिश हो रही है। बारिश से मैदानी क्षेत्रों में गर्मी से राहत महसूस की जा रही है। पर्वतीय इलाकों में काश्तकारों के चेहरे खिल उठे हैं।
उत्तरकाशी में झमाझम बारिश हो रही है। गंगोत्री -यमुनोत्री सड़क जगह-जगह से बंद हो गई है, जिसे खोलने का कार्य जारी है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग ओरछा बैंड के पास अवरुद्ध हो गया था, जिसे रविवार की सुबह खोल दिया गया। हरिद्वार को छोड़कर लगभग सभी जनपदों के अधिकांश क्षेत्रों में रविवार औरसोमवार से मानसून की वर्षा शुरू होने की उम्मीद है।
उत्तराखंड में इस साल 23 जून तक 66 एमएम बारिश हुई है, जो सामान्य 115.6 से 43 फीसदी कम है। पिछले साल 30 जून को मानसून ने पूरी तरह से प्रवेश कर लिया था। राज्य में 2022 में 29 जून को मानसून की आमद हुई थी। जून से सितंबर के बीच 97 फीसदी बारिश हुई थी।

बरसात से पानी-पानी हुई तीर्थनगरी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
रविवार की अल सुबह हुई कुछ घंटों की मूसलाधार बरसात ने समूचे शहर को पानी-पानी कर दिया।
पानी भी ऐसा की जहां सड़कें डूबी नजर आईं वहीं बरसात का पानी लोगों के घरों व दुकानों में घुस गया। इस कारण से लोगों का काफी नुकसान हुआ।
बरसात के पानी में वाहन बह गए और सड़कों पर खड़े कई स्थानों पर वाहन डूबे नजर आए। गंगा का जल भी ओवर फ्लो होकर सड़कों पर बहने लगा। इस कारण से जल जमाव की स्थिति और गंभीर हो गयी।
कई दिनों से हो रही उमस भरी गर्मी से रविवार की अल सुबह हुई बरसात ने खासी राहत दी। राहत के साथ बरसात आफत भी बनकर आई। भारी बरसात के कारण शहर की सड़कें पूरी तरह से जलमग्न

8 घरों में घुसे बरसात के पानी का सबसे अधिक असर नहर किनारे बसी कालोनियों में देखने को मिला

हो गईं। शहर में जल जमाव का सबसे अधिक असर रानीपुर मोड़ पर देखने को मिला। जहां कई फुट पानी सड़कों पर जमा होने के साथ लोगों के घरों व दुकानों में घुस गया, जिससे लोगों का खासा नुकसान हुआ। इसके साथ ही कनखल, ज्वालापुर भीमगोड़ा, भूपतवाला आदि क्षेत्रों में लोगों के घरों में घुसे पानी ने खासा नुकसान पहुंचा। घरों में घुसे बरसात के पानी का सबसे अधिक असर नहर किनारे बसी कालोनियों में देखने को मिला।

संक्षिप्त खबरें

उत्तराखंड : बारिश से बंद गंगोत्री-यमुनोत्री हाइवे के खुलने बंद होने का सिलसिला जारी

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के पहाड़ों पर शनिवार देर रात्रि से जारी झमाझम बारिश रविवार को भी जारी है। बारिश के चलते गंगोत्री- यमुनोत्री हाइवे के बंद होने और खुलने का सिलसिला जारी है।
रविवार को गंगोत्री हाइवे बंदरकोट में पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण यातायात बाधित रहा। इसके चलते गंगोत्री धाम दर्शन को जा रहे सैकड़ों यात्री मार्ग पर फंसे रहे।

हालांकि बंदरकोट में अब वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि फिलहाल उक्त मार्गों पर आवाजाही सुचारु है, लेकिन लगातार बारिश और मलबा गिरने से बंद होने की संभावना बरकरार है।
उधर ओरछा बैंड भी शनिवार को बंद हो गया था, जिससे अब खोल दिया गया है। उत्तरकाशी घनसाली लंबगांव मोटर मार्ग पर स्थान गिंडा पुल के आगे रोड पर मलबा और पेड़ आने से मार्ग अवरुद्ध था, जो सुबह 9 बजे खुल गया। उत्तरकाशी जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है।

ससुराल वालों ने दहेज के लिए किया विवाहिता की हत्या का प्रयास, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और हत्या के प्रयास के आरोप में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।
लक्सर कोतवाली क्षेत्र के गांव निरंजनपुर निवासी अभिलाषा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह दिसम्बर 18 में मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के गदरजुड़ा गांव में हुआ था। ससुराल वाले विवाह में मिले दहेज के सामान से संतुष्ट नहीं थे। हैसियत के हिसाब से दहेज देने के बाद भी ससुराल वालों ने बुलेट और एक लाख रुपये की मांग की। न लाने पर उसे प्रताड़ित किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 व 22 में उसने दो बेटियों को जन्म दिया। इसके बाद से ससुराल वाले उसके साथ मारपीट भी करने लगे। पुलिस में शिकायत करने पर उन्होंने भविष्य में ऐसा न करने की माफी मांगते हुए समझौता भी किया था। बताया कि गत 13 अप्रैल को उसके ससुराल वालों ने उसकी हत्या का प्रयास किया। उसने खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई।
लक्सर कोतवाली में तैनात एसएसआई अंकुर शर्मा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर उसके पति परमजीत, सास गुड्डी व परिवारी कविल, अर्चना, अंकित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला व्यक्ति का शव

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
रेलवे ट्रैक पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास किये, किन्तु शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बीती रात एक महिला की भी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।लक्सर के सीधडू गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की पुलिस को सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और शिनाख्त के प्रयास किए।
इसके बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष बतायी जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दूसरी ओर लक्सर रेलवे स्टेशन पर 57 वर्षीय एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

राशन डीलरों की समस्याओं का जल्द हो समाधान

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन की रविवार को निकट महर्षि स्कूल देवलचौड़ में बैठक हुई
इसमें सस्ता गल्ला विक्रेताओं की समस्याओं पर चर्चा हुई। साथ ही एनएफएसए, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, एमडीएम एसएफआई आदि सभी योजनाओं का लंबे समय से लंबित लाभांश और भाड़े की धनराशि देने की मांग की गई। फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष रेवधर ब्रजवासी ने जल्द समस्याओं के समाधान कराने की बात कही। इसके बाद नए जिला कार्यकारिणी के लिए चर्चा हुई।

पहाड़ों में मूसलाधार बारिश के कारण ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर बढ़ा

8 टिहरी प्रशासन ने आगामी दो दिनों तक के लिए गंगा नदी में होने वाली राफ्टिंग को बंद कर दिया है।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
पिछले 2 दिनों से पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश के कारण गंगा सहित ऋषिकेश के आसपास के नदी-नालों का जलस्तर बढ़ जाने के परिणाम स्वरूप गंगा तट के किनारे के निवासियों को स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी है।
टिहरी प्रशासन ने आगामी दो दिनों तक के लिए गंगा नदी में होने वाली राफ्टिंग को बंद कर दिया है। इस स्थिति को देखते हुए

स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है ऋषिकेश के उप जिलाधिकारी सौरभ अस्वाल, तहसीलदार चमन लाल सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं। लगातार बारिश के कारण नगर की तमाम मलिन बस्तियों मायाकुंड चंद्रभागा शांति नगर सर्वहारा नगर सहित नगर के बीचो बीच बहने वाले सरस्वती नाले भी भारी उफान पर आ गए हैं जिसके कारण त्रिवेणी घाट पर बनी फूलों की दुकान और श्री गंगा सभा के कार्यालय को भी खतरा उत्पन्न हो गया। इतना ही नही त्रिवेणी घाट पर गंगा नदी को जाने वाला मुख्य मार्ग पानी के कारण लबालब हो गया है।जी-20 के लिए विदेशी मेहमानों के स्वागत को गंगा नदी के बीच में बने टापू पर मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से लगाए गए सौंदर्यीकरण की दृष्टि से घास और सुंदर पेड़ भी गंगा जी की भेंट चढ़ गए हैं। यही नहीं सौन्ग नदी भी अपने पूरे उफान पर आ गई है, जिसके कारण कई गांव खतरे की जद में आ गए हैं।

आईडीपीएल कालोनी वासियों का धरना जारी

8 -1 जुलाई से कालोनी की बिजली पानी की कटौती की सूचना के बाद लोगों में दहशत

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
आवासीय कल्याण समिति एवं आईडीपीएल कालोनी वासियों का सामूहिक धरना नौवें दिन भी जारी रहा।
धरने पर बैठ लोगों का कहना है कि प्रशासन की जा रही कार्रवाई से हम सभी बुजुर्गों में दहशत का माहौल बन गया है। उम्र के अंतिम पड़ाव में जब हमारी उम्र 70-80 वर्ष है तब अब हम कहां जाएं। अब 01 जुलाई से आईडीपीएल कालोनी की बिजली पानी की

कटौती की सूचना के बाद से ही लोगों में भय का माहौल बन गया है।
सरकार को अब हम लोगों के बारे में सोचना ही होगा। सभी निवासियों के लिए रहने की स्थाई व्यवस्था का प्रबंध किया जाए।
धरना-प्रदर्शन करने वाले में सुनील कुटलैहडिया संदीप कुमार,रामेश्वरी चौहान, दया, सरोजनी, हेमंत, सूरज, मोंटी, कृष्णा, सुकुमारी सिंह, लावली, रानी, मुकेश, सुधीर, वासी अहमद, राहुल, राजकुमार आदि उपस्थित थे।

शराब, चाकू, जुआ और सट्टा पर्ची के साथ नौ दबोचे

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने चार अलग-अलग मामलों में शराब, चाकू, जुआ और सट्टा पर्ची के साथ नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है ।पुलिस के मुताबिक शनिवार रात मंडी पुलिस ने गश्त के दौरान ट्रांसपोर्ट नगर के पास गश्त के दौरान योगेश सिंधी निवासी गौजाजाली से 56 पव्वे देसी शराब के बरामद किए। तीनपानी बाइपास के पास संदिग्ध हालात में मिले मोहम्मद इकरार उर्फ छोटा निवासी इंदिरानगर से अवैध चाकू पाया गया। तीसरे मामले में राजपुरा पुलिस ने सट्टे बाजी की सूचना पर छापेमारी कर आरोपित शानू कुमार निवासी कत्यूर बाजार बागेश्वर हाल जवाहर नगर को सट्टा पर्ची और 710 रुपये के साथ गिरफ्तार किया।

भागवत कथा श्रवण से होता है व्यक्ति का कल्याण: विज्ञानानंद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भगवान की शोभायात्रा में सम्मिलित होने वालों के सौभाग्य के द्वार खुल जाते हैं और अंतःकरण में सकारात्मकता का संचार होता है। जो श्रद्धालु भागवत भगवान की शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर सात दिन तक नियमित भगवतवाणी का श्रवण करते हैं उनका शेष जीवन सुधर जाता है।उक्त उद्गार श्रीगीता विज्ञान आश्रम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती ने राजा गार्डन स्थित हनुमान मंदिर हनुमत गौशाला में गुरु पूजा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के शुभारंभ पर आयोजित शोभायात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।श्रीमद्भागवत को भगवान की वाणी बताते हुए शतायु संत ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ते हैं तो भगवान स्वयं अवतरित होकर सृष्टि का कल्याण करते हैं।
भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा था कि कलयुग में वे श्रीमद्भभागवत में विद्यमान रहेंगे और जो भक्त श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन अथवा श्रवण करेंगे उनका कल्याण हो जाएगा। भागवत कथा के श्रवण का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कलयुग का वह कल्पतरु है जिसकी छाया में बैठने मात्र से व्यक्ति का यह लोक और परलोक दोनों सुधर जाते हैं।
श्रीमद्भागवत को सभी ग्रंथों का सार बताते हुए उन्होंने कहा कि ऋषि वेदव्यास ने जब वेद उपनिषदों की रचना की तो उन्हें कुछ ऐसा लगा कि एक ऐसे ग्रन्थ की आवश्यकता है जिसमें सभी ग्रंथों का सार समाहित हो, इसी प्रेरणा को लेकर उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता की रचना की।
उन्होंने कहा कि पहली श्रीमद्भागवत कथा हरिद्वार के गंगा तट पर आनंदवन में सुनाई गई थी, इसलिए हरिद्वार में कथा श्रवण का विशेष महत्व है।

खंडूडी ने गर्भ गृह की दीवारों पर लगी सोने की प्लेटों पर उठाया सवाल

8 केदारनाथ मंदिर की दीवारों में 230 किलो सोना किसी भी भाजपा नेता ने इसका खंडन नहीं किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पौड़ी लोकसभा सीट से सांसद उम्मीदवार रहे मनीष खंडूडी ने केदारनाथ के गर्भ गृह की दीवारों पर लगी प्लेटों पर सवाल उठाया है।रविवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस नेता मनीष खंडूडी ने पत्रकारों से बातचीत में पूर्व में प्रकाशित अखबारों की कटिंग दिखाते हुए यह आरोप लगाए।
उन्होंने कहा कि जब अखबारों में यह बात प्रकाशित की जा रही थी

कि केदारनाथ मंदिर की दीवारों में 230 किलो सोना लगाया जाना है, तब किसी भी भाजपा नेता ने इसका खंडन नहीं किया और खूब वाहवाही बटोरी। जब सोना लगाया गया तो वह कैसे 230 किलो से 23 किलो हो गया, यह बात समझ नहीं आ रही।
मनीष ने इसे इनकम टैक्स चोरी का मामला भी बताया है। उनका कहना है कि जिस दानी दाता ने यह सोना केदारनाथ मंदिर को दान किया है, उसे रिबेट के रूप में कितना पैसा मिला है। यह जानना बेहद जरूरी है। इससे साफ हो जाएगा कि कितनी इनकम टैक्स की चोरी केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह में प्लेटों को लगाने पर की गई है।

जी-20: उत्तराखंड के नरेन्द्र नगर में कार्यसमिति की बैठक 26 जून से

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जी-20 इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यसमिति की तीसरी तीन दिवसीय बैठक 26 से 28 जून तक उत्तराखंड के नरेन्द्र नगर में होने जा रही है। इस बैठक में जी-20 देशों के साथ आमंत्रित देशों के कुल 63 प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस दौरान इसमें निवेश के विभिन्न पहलुओं पर 07 अलग अलग विषयों विमर्श-विमर्श किया जाएगा।
यह जानकारी रविवार को संयुक्त सचिव ने नरेन्द्र नगर (टिहरी गढ़वाल) पीटीसी स्थित एक होटल मेंसोलोमन अरोकियाराज में पत्रकार वार्ता में दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि जी-20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कुल 63

प्रतिनिधि शामिल होंगे। फ्रास्ट्रक्चर एजेंडा पर चर्चा को आगे बढ़ाने और मार्च विशाखापत्तनम में आयोजित दूसरी आईडब्ल्यूजी बैठक के दौरान हुई चचाओं की पश्चातवर्ती कार्रवाई के लिए इस बैठक में भाग लेंगे।
तीसरी आईडब्ल्यूजी बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंडा की विभिन्न कार्य-धाराओं की दिशा में ठोस प्रगति पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक में अन्य प्राथमिकताओं के साथ-साथ कल के शहरों का वित्त पोषणः समावेशी लचीला और टिकाऊ" पर की जाने वाली चर्चा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान कहा कि सरकारी के अलावा निजी सहभागिता पर जोर दिया जाएगा। तीन दिवसीय बैठक के दौरान औपचारिक चचाओं के अलावा प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न आधिकारिक बैठकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। प्रतिनिधियों को ऋषिकेश की समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक छटा का अनुभव भी करवाया जाएगा। इस दौरान गंगा आरती भी दिखाया जाएगा।
प्रेसीडेंसी ने 28 जून की दोपहर 2 बजे प्रतिनिधियों के लिए एक भ्रमण की भी व्यवस्था की है।
आईडब्ल्यूजी बैठकों के मौके पर दो सेमिनारों का आयोजन भी किया जा रहा है। 26 जून को एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक के साथ साझेदारी में "टिकाऊ शहरों के रोडमैप पर उच्च स्तरीय सेमिनार" का भी आयोजन किया जा रहा है।तीन सत्रों में होने वाली चर्चा से जी- 20 के निर्णय निमार्ताओं को तीव्र शहरीकरण, और समावेशिता, प्रौद्योगिकी इंफ्राटेक और डिजिटलीकरण की भूमिका की खोज के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से लेकर बुनियादी ढांचे के लचीलेपन तक की प्रमुख चुनौतियों को भी सुनने का अवसर मिलेगा।

भाजपा ने प्रबुद्ध सम्मेलन में आपातकाल के परिवारों को किया सम्मानित

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी रविवार को नगर निगम सभागार ऋषिकेश में भारतीय जनता पार्टी के आपातकाल दिवस की बरसी पर आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।
इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्धजनों और लोकतंत्र सेनानियों के परिवारजनों को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा आज के ही दिन (25 जून 1975) में इंदिरा

गांधी सरकार ने देश में आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र को कुचलने का काम किया था। नेताओं को जेल में डाल दिया गया। संवैधानिक शक्तियों को ही समाप्त कर दिया गया था। यह आपातकाल 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक 21 महीने की अवधि तक भारत में लगा था।मंत्री जोशी ने कहा स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद काल था।

आपदा से निपटने के लिए हरदम अलर्ट रहें सभी विभाग: मुख्यमंत्री धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए सभी विभाग को अलर्ट मोड़ पर रहने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से मौसम को देखते हुए यात्रा करने की अपील की है।

रविवार को सचिवालय स्थित राज्य आपदा कंट्रोल रूम का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान मौसम की वर्तमान स्थिति और बारिश से हुए जलभराव व नुकसान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य में आगामी दिनों के लिए मौसम की चेतावनी को देखते हुए अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है।

सुबह से बारिश का सिलसिला चल रहा है। उन्होंने उत्तराखंड आने वाले यात्रियों से अपील की है कि मौसम के मिजाज को देखकर यात्रा करें।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन जिलों में अत्यधिक बारिश हो रही है और आगे भी भारी बारिश की संभावना है। उन सभी जिलों के साथ परस्पर संवाद एवं समन्वय बनाकर रखें। ताकि आपातकाल की स्थितियों में समय रहते निपटा जा सके। उन्होंने अधिकारियों को आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हमेशा अलर्ट मोड़ पर रहने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर में नदी एवं नालों के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों से सतर्कता बरतने और लोगों को पुनर्वास करने की स्थिति में प्रत्येक जिले में पर्याप्त मात्रा में रैन बसेरा, राहत सामग्री हो। इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा जलभराव की स्थिति में पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था हो। आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों पर एडवांस में जेसीबी मशीन की भी व्यवस्था हो। उन्होंने कहा स्वास्थ्य, पुलिस, एस.डी.आर.एफ कर्मियों की आपदा की दृष्टि से पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री ने चारों धामों में यात्रियों की संख्या, भारी बारिश के बीच चार धामों की वर्तमान स्थिति का भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केदारनाथ धाम का ऑनलाइन माध्यम से लाइव अवलोकन भी किया।

उन्होंने जिला अधिकारी हरिद्वार, जिलाधिकारी पिथौरागढ़, जिलाधिकारी चमोली से फोन में वार्ता कर वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार शहर के विभिन्न इलाकों में हो रहे जलभराव की स्थिति से जल्द निपटने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा की दृष्टि से संवेदनशील सीमांत क्षेत्र चमोली एवं पिथौरागढ़ में भी अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बताया कि अगले 5 दिनों के लिए बारिश और अलर्ट को देखते हुए जिलाधिकारियों सहित आपदा विभाग को तैयार रखने को कहा गया है। पहली बारिश से चलते हुए जलभराव को लेकर भी निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी,आपदा प्रबंधन,सिंचाई विद्युत विभाग परिवहन विभाग फायर एसडीआरएफ के साथ कई विभागों के अधिकारियों से पूरी जानकारी ली।

इस दौरान सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सीमांत गांव नीती घाटी में हुआ स्वास्थ्य शिविर

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के सीमावर्ती गांवों के निवासियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए नीती माणा कल्याण समिति, देहरादून की ओर से रविवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें 158 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई।

नीती माणा कल्याण समिति के अध्यक्ष खुशल पाल ने बताया कि नीती घाटी क्षेत्र में हर रहे ग्रामीणों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यरत विशेषज्ञ चिकित्सकों से संपर्क कर इस शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों का ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, नेत्र रोग के साथ ही अन्य बीमारियों की जांच की गई। इस शिविर घाटी के गमशाली, बम्पा, नीती, फरकिया, सूकी, भलगांव, मलारी, जुआ, जुगजू गांव के ग्रामीणों ने पहुंच कर शिविर का लाभ लिया। इसमें डा. मान सिंह राणा, डा. यशोदा, डा. नवीन ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। इसके आयोजन में डा. यूएस रावत, समिति के उपाध्यक्ष बचन सिंह रावत, सतेंद्र सिंह पाल, नरेंद्र राणा, शंकर रावत, उर्मिला राणा आदि ने सहयोग किया प्रधान लक्ष्मण सिंह बुटोला ने कहा कि घाटी में इस तरह के शिविर की शुरूआत पहली बार की गई है, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ मिला है। समिति की ओर से आगामी दिनों में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

बाइक चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, बाइक बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पुलिस ने एक बाइक चोरी के आरोपित को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

बीती 24 जून को इंदिरा कॉलोनी सुनहरा रोड रुड़की निवासी नईम अहमद ने बाइक चोरी होने के संबंध में थाना भगवानपुर पर मुकदमा दर्ज कराया था। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गागलहेड़ी चौराहा अंडरपास से रोहित कुमार निवासी ग्राम दौड़बसी थाना भगवानपुर हरिद्वार को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित बताया कि उसने अपने साथी

आकिल पुत्र मंशुर निवासी मोहितपुर थाना भगवानपुर के साथ मिलकर बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस आकिल की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

जिलास्तरीय पेनचेक सिलाट में 100 से अधिक खिलाड़ी दिखा रहे दम

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
पेनचेक सिलाट एसोसिएशन ऑफ नैनीताल की ओर से रविवार को जिला स्तरीय प्रतियोगिता कराई जा रही है। इसमें जिलेभर से 100 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं दमुवाढूंगा स्थित आम्बेडकर पार्क में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न आयुवर्ग में खिलाड़ी खेल रहे हैं। एसोसिएशन के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ियों को नेशनल पेनचेक सिलाट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा।

बदरीनाथ हाइवे पर कंचन गंगा के पास आया मलबा

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के अधिकांश हिस्से में रविवार दोपहर बाद रूक-रूककर बारिश शुरू हो गई। कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश के चलते बदरीनाथ हाइवे पर बदरीनाथ धाम के क्षेत्र में पड़ने वाले कंचन गंगा के पास भारी मलबा आ गया, जिससे हाइवे अवरुद्ध हो गया है। हाइवे खोलने के लिए बीआरओ के कर्मी जुटे हुए हैं।

चमोली जिले में मौसम बदला हुआ है। पिछले दो दिनों से मौसम काफी गर्म था जिससे लोग गर्मी और उमस से काफी परेशान थे। मौसम में आये बदलाव से जहां लोगों ने राहत की सांस ली, वहीं जिले के कई स्थानों पर हो रही तेज बारिश से लोग परेशान भी हैं। रविवार को दोपहर बाद चमोली जिले के बदरीनाथ धाम समेत अनेक स्थानों पर हुई बारिश हुई। इससे बदरीनाथ हाइवे कंचन गंगा के पास आये भारी मलबे के कारण अवरूद्ध हो गया। इससे बदरीनाथ धाम को आने-जाने वाले तीर्थ यात्रियों के वाहन फंस गये हैं। हालांकि बीआरओ की ओर से मलबे को हटाए जाने का काम शुरू कर दिया गया है। मलबा हटने के बाद वाहनों की आवाजाही सुचारू की जायेगी।

न्यूज़ फ्लैश

आसमानी बिजली गिरने से एक की मौत, तीन घायल

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
रोपाई के लिए खेतों में गये एक ही परिवार के लोगों पर आसमानी बिजली गिरने से एक से मौत हो गयी और तीन घायल हो गए। घटना रविवार की है।

पुरोला तहसील के अंतर्गत कंडियाल गांव में एक परिवार के लोग खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान आसमानी बिजली गिरने घटना से एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गये। मृतक का नाम अभिषक (20) पुत्र धीरपाल सिंह है। जबकि निखिल (17) पुत्र खुशपाल अशोक (14) पुत्र धीरपाल व चंद्र सिंह (58) पुत्र जयपाल सिंह गंभीर घायल हैं। घायलों को बर्फिया लाला जुवांठा जिला उप चिकित्सालय पुरोला में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर देहरादून के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है सभी लोग क्यारियों में धान की रोपाई का काम कर रहे थे। युवक की असमय मौत से गांव में मातम छा गया है।

बरसात के चलते दुकान का एक हिस्सा टूट कर नाले में बहा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के नजदीक बने नाले के ऊपर वर्षों से अतिक्रमण कर बनाई गई दुकान का एक हिस्सा भरभराकर नाले में समा गया। गनीमत रही कि उस वक्त दुकान में कोई नहीं था।

आज रविवार सुबह आई तेज बरसात के चलते कई जगह नाले उफान पर थे। इससे नदी नाले के किनारे बसी दुकानों में भी पानी घुस गया। ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के समीप एक नाले के बराबर में स्थित बाबू टी स्टॉल की दुकान का एक हिस्सा बरसात के चलते टूटकर पूरी तरह पानी में बह गया। हालांकि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। अलबत्ता दुकान में रखा कुछ सामान पानी में बह गया। गौरतलब है कि यह दुकान नाले के ठीक ऊपर अतिक्रमण कर बनाई गई थी।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट में लिप्त तस्करों का भंडाफोड़, पैडलर से चरस बरामद

8 सीओ लक्सर एवं कोतवाली लक्सर पुलिस टीम ने एक घर में छापा मारकर बड़ी मात्रा में चरस बरामद की

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 अभियान के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए ने एसएसपी अजय सिंह को मिले इनपुट के आधार पर बड़ी सफलता हासिल की। सीओ लक्सर एवं कोतवाली लक्सर पुलिस टीम ने एक घर में छापा मारकर बड़ी मात्रा में चरस बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में चरस पैडलर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को मिली सूचना के आधार पर सीओ लक्सर और लक्सर कोतवाली पुलिस ने लक्सर क्षेत्र के सुल्तानपुर निवासी वकील के घर छापा मारा। पुलिस को घर के अंदर टीन के बक्से में छिपाकर रखी गयी लगभग 3.7 किलोग्राम चरस मिली।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि आरोपित वकील अपने साथी असलम अंसारी निवासी बिहार के साथ मिलकर लंबे समय से चोरी छिपे चरस की तस्करी करता था। ये इतने शातिर तरीके से अपना काम करते थे कि पकड़ में नहीं आ पाए थे। असलम नेपाल के रास्ते चरस को भारत में बिहार में लाता था। वहां से गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) समेत अन्य प्रांतों में पहुंचाता था। इसके द्वारा लक्सर में गुपचुप तरीके से एक कमरा भी इसी काम के लिए, लिया गया था, जहां से माल की डिलीवरी वकील को हो जाने पर, फिर से कमरा बंद करके वापस बिहार चला जाता था।

बताया गया कि आरोपित वकील, असलम द्वारा चरस को पहले नेपाल से भारत में बिहार राज्य लाकर उसके बाद बिहार राज्य से शरीर में ब्लाउजनुमा जैकेट के अंदर बनाए गए छोटे-छोटे पैकेट में इस प्रकार छुपाकर ले जाया जाता था कि सामने से देखने पर किसी भी व्यक्ति को कोई शक नहीं होता था। हरिद्वार पुलिस ने अपनी पड़ताल में अभियुक्त के कब्जे से उस जैकेट को भी बरामद किया है।

वर्षों से बंद पड़े नाले की निगम ने सफाई कराई

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
मानसून आते ही नगर निगम को बंद पड़े निकासी नालों की सफाई कराने की याद आ ही गयी। कालाढूंगी रोड में जलभराव का कारण बनने वाले निकासी नाले की सफाई रविवार को निगम ने कराई। कपिलाज स्वीट्स के पास से होकर गुजरने वाले नाले से कई टन कचरा निकाला गया। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि शहर के 15 बड़े निकासी नालों की सफाई के लिए पूर्व में टेंडर कराकर सफाई की जा चुकी है।

जिले के प्रभारी सचिव ने स्वयं सहायता समूहों के साथ किया संवाद

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के प्रभारी सचिव दीपेन्द्र चौधरी ने अपने दो दिवसीय भ्रमण के दौरान रविवार को स्वयं सहायता समूहों के विभिन्न संगठनों के साथ संवाद किया और उनकी ओर से तैयार किए जा रहे उत्पादों अचार, जूस, मसाले, चटनी, मडुवा आदि को देखा। उन्होंने कहा कि जनपद कृषि वानिकी वाला क्षेत्र है। किसानों की आय दोगुना करना और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिकी को सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। कृषि, बागवानी, डेयरी, मौन पालन तथा जड़ी बूटी उत्पादक कृषकों

को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्रभारी सचिव ने कहा कि जो प्राकृतिक स्रोत है उनके संवर्धन के लिए चेक डेम, चाल-खाल बनाए जाए, वर्षा जल संचय किया जाये। इससे पीने के पानी की समस्या भी दूर होगी और सिंचाई के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही ऐसी प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएं जो पानी को कंजर्व करते हैं। सगर में पहाड़ी फ्रूट प्रोडक्शन और स्वयं सहायता समूहों की ओर निर्मित लेनटाना से बने उत्पादों, भोजपत्र बैजन्ती माला लेमन ग्रास ऑइल की सराहना की तथा उपस्थित उद्यमियों तथा महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और सुझाव लिए।

काले अध्याय से कम नहीं था आपातकाल : डा. प्रेमचंद

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
वित्त मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के शासन के दौरान 1975 में लगा आपातकाल काले अध्याय से कम नहीं था।

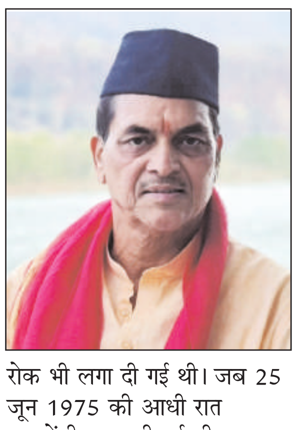

वित्त मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अग्रवाल ने आपातकाल की 48वीं वर्षगांठ पर जारी बयान में कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचला गया। आपातकाल के दौरान पूरे देश में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन हुए, जिनको दबाने का प्रयास किया गया। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग भी किया गया।

उन्होंने कहा कि जेल में आपातकाल के दौरान पकड़े गए लोगों को सामान्य कैदी की तरह ही रखा जाता था। उन्हें कीड़े लगे चावल और पानी वाली दाल मिलती थी। कांग्रेस ने उस समय अपनी सत्ता बचाने और राजनीति स्वार्थ पूरा करने के लिए लोकतंत्र की हत्या देश में आपातकाल लागू कर की थी।

उन्होंने कहा कि आपातकाल की नींव 12 जून 1975 को ही रख दी गई थी। इस दिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को रायबरेली के चुनाव अभियान में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करने का दोषी पाया था और उनके चुनाव को खारिज कर दिया था। इतना ही नहीं, इंदिरा पर छह साल तक चुनाव लड़ने पर और किसी भी तरह के पद संभालने पर रोक भी लगा दी गई थी। जब 25 जून 1975 की आधी रात इमरजेंसी लागू की गई थी जनता के सारे अधिकार छिन गए थे। मंत्री ने कहा कि आपातकाल में जयप्रकाश नारायण की अगुवाई में पूरा विपक्ष एकजुट हो गया और देशभर में इंदिरा के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ। सरकारी मशीनरी विपक्ष के आंदोलन को कुचलने में लग गई थी। आंदोलनकारियों को जेल में डाला जाने लगा। 21 मार्च 1977 तक देश आपातकाल में पिसता रहा।

डा. अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान एवं सतत रूप से आपातकाल के खिलाफ लम्बे संघर्ष के परिणाम स्वरूप आज देश विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित हुआ है।

जिस लोकतंत्र को लोकतंत्र सेनानियों ने स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आज उस लोकतंत्र में कानून अपना काम कर रहा है।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर जगह-जगह झरनों से आया पानी, घंटों तक फंसे रहे हजारों यात्री

रुद्रप्रयाग/टीम एक्शन इंडिया
पहाड़ों में बारिश आफत बनकर बरस रही है। केदारनाथ धाम में जहां लगातार बारिश जारी है, वहीं पैदल मार्ग पर जगह-जगह गधेरे उफान पर आ गए हैं। बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा बुरी तरह से प्रभावित हुई है और यात्री जगह-जगह फंस गए हैं। केदारनाथ पैदल मार्ग पर पानी आने से यात्री परेशान हैं। केदारनाथ धाम से लेकर निचले क्षेत्रों में बारिश आफत बन गई है। पहली ही बारिश से हाहाकार मच गया है।

केदारनाथ यात्रा रविवार दोपहर से बंद है। जो यात्री सुबह के समय केदारनाथ भेजे गए थे, उनको सुरक्षित केदारनाथ पहुंचा दिया गया है। छोड़ी स्थान में बहने वाले झरने का जल स्तर बढ़ने से घंटों तक यात्रियों को रोका गया। फिर सुरक्षा जवानों की ओर से यात्रियों को सुरक्षित निकाला

गया। आठ हजार यात्री सोनप्रयाग, गौरीकुंड आदि स्थानों पर रोके गए हैं। सोमवार को मौसम साफ होने पर ही यात्रा सुचारू होगी। हजारों यात्री मौसम खुलने का इंतजार कर रहे हैं। धाम में भी यात्री रुके हुए हैं। आज भी मौसम खराब रहने का अलर्ट है। पैदल यात्रा मार्ग पर जगह-जगह यात्रियों की सुरक्षा के लिए जवान तैनात किए गए हैं।

डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों के अलावा केदारघाटी में बारिश जारी है। बारिश के कारण गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर दो से तीन स्थानों पर गधेरे उफान पर आ गये हैं। यहां पर सुरक्षा जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सोनप्रयाग व गौरीकुंड के अलावा अन्य स्थानों पर सुरक्षित रोका गया है और केदारनाथ से नीचे आने वाले तीर्थयात्रियों को जवानों की सुरक्षा के बीच नीचे लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्गों के डेंजर जाने वाले स्थानों पर मशीनें तैनात की गई हैं, जबकि लोनिवि, पीएमजीएसवाई को भी लिंक मार्गों पर नजर रखने को कहा गया है, जिससे मार्गों के बंद होने पर त्वरित गति से कार्य किया जा सके। उन्होंने मंदाकिनी व अलकनंदा नदी किनारे बसे लोगों को अलर्ट रहने को कहा है।

केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में हुआ जलभराव

केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में बारिश से जल भराव हो गया है और यात्रियों के सामने आवाजाही का संकट गहरा गया है। हालांकि यात्री कीचड़ वाले रास्ते में पानी के ऊपर से ही आवाजाही करने को मजबूर हैं।

पहाड़ों में मानसून की शुरूआत हो चुकी है। पहली ही बारिश शनिवार देर रात से जारी है। बारिश का सबसे बुरा असर केदारनाथ धाम की यात्रा पर पड़ रहा है। केदारनाथ में भी मौसम खराब है और बारिश लगातार जारी है। बारिश के कारण केदारनाथ धाम आने वाले यात्रियों की संख्या में बहुत कमी आ गई है। मानसून की पहली बारिश में केदारनाथ यात्रा के सबसे मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में जल भराव हो गया है।

संपादकीय

अब दोहरे मोर्चे पर उलझे पुतिन

रूस में सैन्य विद्रोह हो गया। यह तथ्य अर्द्धसत्य हो सकता है। इसलिए कि विद्रोही 'वैगनर' लड़ाके रूस के पूर्णरूपेण सैनिक नहीं हैं। 'वैगनर' प्राइवेट आर्मी है। खास बात यह कि यूक्रेन युद्ध में यह रूस की ओर से मोर्चे पर थी। इसका चीफ येवगेनी प्रिगोझिन है। वह राष्ट्रपति पुतिन का नजदीकी रहा है। उसे उनका रसोइया भी कहा जाता है। रसोइया ही अब जान का दुश्मन बन गया। उसे नाटकीय ढंग से मनाया गया। 'वैगनर' ने विद्रोह किया। लड़ाके राजधानी मास्को की ओर बढ़े। ...और कुछ नजदीक तक पहुंचते कि उससे पहले ही उनके प्रमुख ने वापस लौटने का फरमान सुना दिया। यह कुल 36 घंटों से भी कम समय में हुआ। इस अवधि में दुनियाभर की निगाहें रूस पर टिक गईं कि राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का अब क्या होगा। यह सवाल तो आगे भी कायम रहने की उम्मीद है कि पुतिन का क्या होगा। अभी हाल में रूसी संविधान में हुए बदलाव के मुताबिक वे आजीवन राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, पर यह तो सामान्य व्यवस्था है। जो कुछ हुआ है, वह सामान्य नहीं है। शुक्रवार रात और शनिवार देरशाम तक इस विद्रोह को तख्तापलट की कोशिश बताया गया। रूस में तख्तापलट नहीं हो सकता, ऐसा मानने वाले बहुत हैं। ऐसे लोगों को याद करना होगा कि विद्रोह के तौर पर तख्तापलट भले न हो, किंतु 1989 में जब सोवियत संघ कमजोर पड़ रहा था, ब्रेझनेव के खिलाफ भी विद्रोह हुआ था। तत्कालीन सोवियत संघ के 15 गणराज्य अपनी आजादी मांग रहे थे। मिखाइल गोवार्चेव डाचा में छुट्टियां मना रहे थे और इधर मास्को की सड़कों पर टैंक दौड़ने लगे थे। बोरिस येलत्सिन निर्वाचित राष्ट्रपति थे। उन्होंने नाटकीय तरीके से एक टैंक पर खड़े होकर शांति की अपील की थी। एक दिन बाद ब्रेझनेव राजधानी लौटे थे। इस घटना के बाद ब्रेझनेव का अवसान और येलत्सिन का उदय इतिहास की कड़ी है। तब धीरे-धीरे सोवियत संघ बिखरने लगा था। कुछ ही समय बाद 1993 में येलत्सिन को भी विद्रोह झेलना पड़ा। धुर वामपंथियों और कथित राष्ट्रवादियों के बीच विवाद संघर्ष की नौबत तक पहुंच गया। तब 21 सितंबर को उपराष्ट्रपति अलेक्जेंटर रित्सकोव को सत्ता सौंपने की मांग की गई थी। मेयर ऑफिस और टेलीविजन केंद्र पर विद्रोहियों का कब्जा हो चुका था। येलत्सिन के आदेश पर संसद के बाहर टैंकों ने गोले बरसाये थे। आधिकारिक तौर पर 148 और गैर अधिकृत सूत्र मारे गये लोगों की संख्या एक हजार से भी अधिक बताते हैं। सोवियत संघ के बिखराव की कहानी अब पुरानी हो चुकी है। ताजा विद्रोह के बाद इस तरह की कहानियों ने नया रूप ले लिया है। सोवियत संघ के बिखराव के बाद सर्वाधिक शक्तिशाली रूस भी एक बार लाचार दिखने लगा है। यह विद्रोह ऐसे समय हुआ है, जब रूस 16 महीने से भी अधिक समय से यूक्रेन से जूझ रहा है। इस संघर्ष में प्राइवेट आर्मी के तौर पर 'वैगनर' के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन ने रूस और उसके राष्ट्रपति पुतिन का साथ दिया। यूक्रेन के बखमुत शहर सहित कई प्रमुख ठिकानों पर कब्जे में प्रिगोझिन ने अहम भूमिका निभाई। फिर प्रश्न है कि पुतिन के 'करीबी' प्रिगोझिन ने विद्रोह की सीमा तक जाकर यहां तक क्यों कह दिया कि अब रूस को नया राष्ट्रपति मिलने जा रहा है।

दूर की कौड़ी, विपक्षी की एकता

प्रेम शर्मा

"अब जनाधार की बात की जाए तो अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने चुनौती पेश करने के लिए विपक्षी दल भले ही एकजुट होने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन पुराने आंकड़े उन्हें परेशान करेंगे। 14 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को पिछले लोकसभा चुनाव में 50 फीसद या उससे अधिक वोट मिले थे।इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा की 330 सीटें हैं, जिनमें भाजपा और सहयोगी दल 298 सीटें जीतने में सफल रही थी और अकेले भाजपा ने 255 सीटें जीती थीं। ध्यान देने की बात है कि 543 सीटों वाले लोकसभा में बहुमत के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है"

विपक्षी दल एक बार फिर सक्रिय हुए है। पटना में विपक्षी दलों की बैठक में कोई बड़ी फैसला नही हो पाया। लेकिन इससे पूर्व बैठक को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती का तंज, अध्यादेश को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मतभेद, बीआरएस के चन्द्रशेखर राव का कांग्रेस नेतृत्व न स्वीकार करने जैसे तमाम पेंच अभी से विपक्षी एकता के लिए फॉस बने हुए है। पटना में भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाने का दम भर रहे विपक्षी दलों की पटना में जो बैठक हुई, वह किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखी। इस बैठक में इतना ही तय हुआ कि सभी दल मिलकर आम चुनाव लड़ेंगे, लेकिन आम आदमी पार्टी जिस तरह साझा प्रेस कांफ्रेंस से दूर रही, उससे यदि कुछ स्पष्ट हुआ तो यही कि विपक्षी एकता की राह आसान नहीं। आम आदमी पार्टी की ओर से यह भी कह दिया गया कि आगे विपक्षी एकता की जिस बैठक में कांग्रेस शामिल होगी, उसमें वह शामिल नहीं होगी। आगे जो भी हो, आम आदमी पार्टी विपक्षी एकता के लिए कोई बहुत अधिक इच्छुक नहीं। इसका कारण यह है कि दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाने और राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने के उपरांत उसे लग रहा है कि वह कांग्रेस का स्थान ले सकती है। कुछ ऐसा ही हाल तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी का है उन्हें यह रास नहीं आ रहा कि कांग्रेस बंगाल में वाम दलों के साथ रहे। पटना की बैठक के बाद विपक्षी दलों ने यह तय किया है कि उनकी अगली बैठक शिमला में होगी और उसमें तय होगा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा ? यह तय करना आसान नहीं, क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस को यह लग रहा है कि वह अपना खोया हुआ जनाधार फिर से हासिल कर रही है। विपक्षी एकता की यह पहली ऐसी कोशिश है, जिसमें क्षेत्रीय दल अपने साथ खड़े होने वाले राष्ट्रीय दल यानी कांग्रेस की कुबार्नी चाहते हैं। वे विपक्षी एकता की कमान अपने हाथ में केवल रखना ही नहीं चाह रहे हैं, बल्कि यह भी बता रहे हैं कि कांग्रेस को क्या करना चाहिए और क्या नहीं ? सबसे अहम बॉत तो देश के सर्वाधिक लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में देखी जा सकती है, यहॉ तो सभी विपक्षी दल एक तीर घाट तो दूसरा वीर घाट पर नजर आ रहा है। पटना में जुटे विपक्षी दल यही दोहराते रहे कि मोदी को हटाना है। आखिर यह कोई एजेंडा कैसे हो सकता है ? उनके पास इस सवाल का जवाब नहीं कि मोदी को हटाकर करना

क्या है? विपक्षी दलों ने यह भी दोहराया कि मोदी सरकार के कारण लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। जहां राहुल गांधी ने अपना यह घिसा-पिटा बयान दोहराया कि भाजपा और संघ देश की नींव पर आक्रमण कर रहे हैं, वहीं नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर देश का इतिहास बदलने का आरोप लगाया। किसी ने ईडी और सीबीआइ की सक्रियता का रोना रोया तो किसी ने यह आशंका जताई कि यदि भाजपा 2024 में फिर सत्ता में आ गई तो आगे चुनाव ही नहीं होंगे यानी भारत में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। अभी हाल में कांग्रेस ने हिमाचल और कर्नाटक में विधानसभा चुनाव जीते हैं। यदि मोदी लोकतंत्र खत्म करने में जुटे हैं, जैसा कि विपक्षी दल दावा कर रहे हैं तो फिर विभिन्न राज्यों में गैर भाजपा दल सत्ता में कैसे हैं? क्या लोकतंत्र इसलिए खतरे में है कि भाजपा लगातार दो बार लोकसभा चुनाव जीत गई ? वैसे तो विपक्षी दल एकजुट होकर साझा सरकार बनाने की ही कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम देने में नाकाम हैं।न्यूनतम साझा कार्यक्रम के नाम पर उनके पास कुछ है तो केवल यही कि मोदी को हटाना है। समस्या यह भी है कि उनके पास राष्ट्रीय दृष्टिकोण का अभाव है। राष्ट्रीय मुद्दों से अधिक वे क्षेत्रीय मुद्दों को अहमियत देते हैं। कई बार तो इतना अधिक कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे उनकी प्राथमिकता से बाहर हो जाते हैं। विपक्षी एकता की कोशिश इसके पहले भी हुई है, लेकिन अभी तक का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा। विपक्षी दल चुनाव के समय एकजुट होने की कोशिश करते हैं और फिर बिखर जाते हैं। इस प्रक्रिया में वे पाला भी बदल लेते हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना आज विपक्ष में है और खुद को सेक्युलर बताने में लगी हुई है। कुछ यही हाल जनता दल यूनाइटेड का है। क्या यह विचित्र नहीं कि लंबे समय तक भाजपा के सहयोग से सत्ता में रहे नीतीश कुमार आज विपक्षी एकता के सबसे बड़े पैरोकार हैं ? भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल किस तरह क्षेत्रीय दलों की प्राथमिकताओं से टकरा रही है, इसका पता आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के इस कथन से चलता है कि पटना में होने जा रही बैठक में सबसे पहले उस अध्यादेश पर चर्चा हो, जो दिल्ली सरकार की सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार लाई है। केजरीवाल चाह रहे हैं कि कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल इस अध्यादेश का विरोध करें, लेकिन कांग्रेसी नेता इसके लिए तैयार नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि दिल्ली और पंजाब में उनका मुकाबला आम आदमी पार्टी से है।विपक्षी एकता संभव तो है, लेकिन किसी ऐसे दल के नेतृत्व में, जो राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव रखता हो। ऐसा दल केवल कांग्रेस ही है। पटना बैठक को लेकर नीतीश कुमार और उनके सहयोगी चाहे जो दावा करें, इस तथ्य से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि इसमें न तो सभी विपक्षी दल शामिल हो रहे हैं और न ही यह स्पष्ट है कि पीएम पद का चेहरा कौन होगा ? अब जनाधार की बॉत की जाए तो अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने चुनौती पेश करने के लिए विपक्षी दल भले ही एकजुट होने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन पुराने आंकड़े उन्हें परेशान करेंगे। 14 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को पिछले लोकसभा चुनाव में 50 फीसद या उससे अधिक वोट मिले थे।इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा की 330 सीटें हैं, जिनमें भाजपा और सहयोगी दल 298 सीटें जीतने में सफल रही थी और अकेले भाजपा ने 255 सीटें जीती थीं। ध्यान देने की बात है कि 543 सीटों वाले लोकसभा में बहुमत के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है।2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा को अकेले 50 फीसद वोट मिले थे। वहीं बिहार और महाराष्ट्र में जदयू और शिवसेना जैसे सहयोगी दलों के साथ भाजपा 50 फीसद मत हासिल किया था।विधानसभा चुनाव हारने के छह महीने बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा छत्तीसगढ़ में 51.4 फीसद वोट के साथ 11 में से नौ सीटें, राजस्थान में 59.1 फीसद वोट के साथ 25 में से 24 सीटें (एक सीट सहयोगी दल को) और मध्यप्रदेश में 58.5 फीसद वोट के साथ 29 में से 28 सीटें जीतने में सफल रही थी। वहीं, विधानसभा चुनाव में भाजपा को छत्तीसगढ़ में महज 33.6 फीसद, राजस्थान में 39.3 और मध्यप्रदेश में 41.6 फीसद वोट मिले थे।कर्नाटक में भी 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 36.2 फीसद वोट के साथ बहुमत से दूर रह गई थी, लेकिन एक साल बाद लोकसभा चुनाव में 51.7 फीसद वोट के साथ 28 में से 25 सीटें जीतने में सफल रही और एक सीट भाजपा समर्थित निर्दलीय ने जीता था।ध्यान देने की बात है कि चाहे लोकसभा का चुनाव हो या फिर विधानसभा का, भाजपा एक बार हासिल वोट फीसद हासिल करती है तो उसे बरकरार रखती है। पिछले महीने हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी देखा जा सकता है, जहां 65 सीटों पर सिमटने के बावजूद भाजपा का लगभग 36 फीसद वोट हासिल किया। हिमाचल प्रदेश, दिल्ली विधानसभा और एमसीडी चुनाव में भी यह रिकॉर्ड दिखा था। बात सिर्फ इन 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक सीमित नहीं है। 25 सीटों वाले आंध्रप्रदेश और 21 सीटों वाले ओडिशा में एकता की तलाश में जुटे विपक्षी दलों का जनाधार नहीं है। आंध्रप्रदेश में वाइएसआर कांग्रेस और ओडिशा में बीजेडी का जनाधार है, लेकिन दोनों दल राजग में नहीं होते हुए भी अहम मुद्दों पर संसद में मोदी सरकार के साथ खड़े होते हैं।

कविता

योग दिवस

योग दिवस है आज
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
आओ मिलकर योग करें
योग के प्रति जागरूकता बढ़ाकर
प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्णय में सहयोग करें

योग दिवस है आज
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
सिर्फ आज ही क्यों इसे मनाए हम
क्यों न इसे हर रोज करके
अपने तन- मन को निरोग बनाए हम

योग दिवस है आज
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
आओ अब से हर रोज इसे मनाए हम
नित्य सबेरे योग करके
सुंदर और सुदृढ बन जाए हम!

उषा कुमारी साव

नशा मुक्ति के लिए उठे बड़े कदम

रमेश सर्राफ धमोरा

आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे कि लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है। हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन,अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है। आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे ना कोई रोकने वाला है ना कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बदौलत वह शासन, प्रशासन से मिलकर सरेआम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही स्थिति आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुर्खियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहां नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा। कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं।

विचार

पैदा हों भारत में नंदन नीलेकणि जैसे दर्जनों दानवीर

आर.के. सिन्हा

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के सह - संस्थापक नंदन नीलेकणि ने देश के धन कुबेरों के समक्ष एक अद्भुत मिसाल कायम की है। उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए दान कर दिये हैं। ये भारत में किसी भी पूर्व छात्र की ओर से अपने इंस्टीट्यूट या कॉलेज को किया गया सबसे बड़ा दान है। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटी बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। वे इसी संस्थान के छात्र रहे हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी भी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार की अपनी सीमाएं हैं। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्व विद्लायों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। आगे बढ़ने से पहले बता दें कि नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने की योजना को उन्होंने ही सफलतापूर्वक लागू करवाया। तो हम पहले बात कर रहे थे कि समाज के सफल लोगों, जिनमें उद्मयी, कारोबारी, नौकरशाह आदि शामिल हैं, को उन शिक्षा के मंदिरों का साथ देना चाहिए जहाँ से वे पढ़े हैं और आज सफल उद्यमियों में शुमार हैं। देखिए, नंदन नीलेकणि सिर्फ मुनाफा कमाने वाले उद्यमियों में से नहीं हैं। वे बार-बार साबित करते हैं कि वे अलग तरह के उद्यमी हैं। भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के आईटी सेक्टर में अपनी खास पहचान रखने वाली इंफोसिस टेक्नोलॉजी ने अपनी स्थापना के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए अपने हजारों कर्मियों को ई-सोप्स के तोहफे से नवाजा था। कंपनी के कर्मियों को उनके कार्यकाल के साल के आधार पर ई-सॉप्स दिया गया था। इंफोसिस ने ही देश में ई-सॉप्स की परम्परा चालू की थी। भारत के आईटी सेक्टर के पितृ पुरुष यानी एन.नारायणमूर्ति और नंदन नीलेकणि जैसी गजब की शख्सियतों के मार्गदर्शन में आई टी सेक्टर की सबसे सम्मानित बनी इस आईटी कंपनी ने ई-सॉप्स की शुरूआत की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि इंफोसिस के इस फैसले से मुलाजिमों में मालिकाना हक की भावना पैदा हुई। तो बहुत साफ है नीलकेणी कुछ हटकर ही करते रहते हैं। इस बीच, सबको पता है कि भारत या भारत से बाहर जाकर बड़ी कामयाबी हासिल करने वालों में आईआईटी में पढ़े छात्रों की तादाद बहुत अधिक है। एन. नारायणमूर्ति खुद आईआईटी कानपुर से हैं। ट्वीटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल भी पढ़े हैं आईआईटी, मुंबई में। इसने देश-दुनिया को चोटी के सीईओ से लेकर इंजीनियर दिए हैं। आप नए उद्यमियों, खासतौर पर ई-कॉमर्स से जुडी बात करें, और सचिन बंसल और बिन्नी बंसल की चर्चा न करें ये तो नहीं हो सकता। इन दोनों ने फ्लिपकार्ट की स्थापना की थी। ये दोनों आईआईटी, दिल्ली में रहे। भारत में पहली आईआईटी की स्थापना कोलकाता के पास स्थित खड़गपुर में 1950 में हुई थी। भारत की संसद ने 15 सितंबर 1956 को आईआईटी एक्ट को मंजूरी देते हुए इसे "राष्ट्रीय महत्व के संस्थान" घोषित कर दिया। इसी तर्ज.पर अन्य आईआईटी मुंबई (1958), मद्रास (1959), कानपुर (1959), तथा नई दिल्ली (1961) में स्थापित हुई। फिर गुवाहाटी में आई आई टी की स्थापना हुई। सन 2001 में रुड़की स्थित रुड़की विश्वविद्यालय को भी आईआईटी का दर्जा दिया गया। आईआईटी में पढ़े विद्यार्थी सारी दुनिया में छाए हुए हैं। ये सब मोटी पगार ले रहे हैं या फिर अपना बिजनेस करके खूब कमा रहे हैं। इन सबको भी अपनी आईआईटी के अलावा उन स्कूलों की भी मदद करनी चाहिए जहाँ से पढ़े हैं। ये याद रखा जाना चाहिए कि किसी भी इंसान की ज्ञान पाने की नींव तो उसके स्कूल में ही रखी जाती है। इसलिए स्कूलों के महत्व को समझा जाना चाहिए। हमें अपनी सभी कॉलेज और विश्वविद्लायों को सेंट स्टीफंस कॉलेज,आईआईटी और आईआईएम के स्तर का बनाना होगा। इन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस करना होगा।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता मणिपुर?

तनवीर जाफरी

विगत लगभग दो महीने से भारत का प्रमुख पुर्वोत्तरीय सीमावर्ती राज्य मणिपुर हिंसा की अभूतपूर्व आग में जल रहा है। यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री,मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री ,भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन ,पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं और ईसाई मिशनरी द्वारा कथित तौर पर कराये जाने वाले धर्मांतरण को इस हिंसा का कारण बता रहे हैं। और इस तरह का विश्लेषण करने वाले लोग एक बार फिर पंडित नेहरू को वर्तमान मणिपुर संकट का जिम्मेदार बताने की कोशिश में भी जुट गए हैं। बहरहाल चीन व म्यांमार जैसे देशों के सीमावर्ती इस अशांत राज्य में अब तक दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने व तीन हजार से ज्यादा लोगों के जख़्मी होने का भी समाचार है। परन्तु मणिपुर में तो डबल इंजन की सरकार है? केंद्र व राज्य दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी सत्तारूढ़ है? भाजपा तो स्वयं राज्य के विकास के लिये 'डबल इंजन ' की सरकार यहाँ तक कि भाजपा स्थानीय स्वायत शासन,जिला परिषद् व नगर निगम /पालिकाओं के चुनाव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की अपील जनता से यही बताकर करती है कि एक ही पार्टी की सरकारों से विकास होगा,कानून व्यवस्था सुधरेगी आम लोगों की सभी जरूरतें पूरी होंगी आदि। फिर क्या वजह है कि मणिपुर इतना जलने लगा कि उस की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे देशों के हालात से की जाने लगी ? पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को जलता हुआ छोड़कर अमेरिका का दौरा किया।

चैट जीपीटी एआई और कुर्सी कथा

रामविलास जांगिड़

चैट जीपीटी उर्फ एआई उर्फ कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दलदल पार्टी के आलाकमान ने अपनी दोनों स्वार्थ भरी आंखों की कमानों को गीले करते हुए पूछा- "हे चैट जीपीटी देव! मेरे पास मंत्री पद की एक टूटी हुई कुर्सी है और एक अन्य विरोधी पार्टी के पास मुख्यमंत्री के रूप में एक साबुत कुर्सी है। मेरी नजर इस साबुत कुर्सी पर गड़ी हुई है। मेरे पास एक बहुत बड़ी जाति की लकड़ी का डंडा भी है और मैं साबुत कुर्सी पर बैठना चाहता हूं। मुझे क्या करना चाहिए?" फटाक देनी सी चैट जीपीटी देवता ने अपना व्याख्यान दिया- "हे दलदल पार्टी के स्वार्थ भरे कमान देव! हे महागठबंधन को महान ठगबंधन में परिवर्तित करने वाले प्रभु श्री! आप को समझाना और ऊंट को मोटर में बिठाने के समान होगा। आपको ट्यूशन देने से अच्छा है कि मैं किसी कुत्ते को ज्ञान गंगा में नहला दूं। आप रंग बदलने की ट्यूशन में गिरगिट के भी बाप लगते हो। फिर भी आपका आदेश मेरे सिर हाथ व आंखों पे है। यहां कुछ प्रस्तावित सूची है जो आपकी सहायता कर सकती है। कुर्सी को ठीक करें- यदि टूटी हुई कुर्सी के सारे टुकड़े आपके हैं तो आप उन्हें कुर्सी पर बिठाने का सपना दिखाकर उन्हें एक साथ जोड़कर कुर्सी को ठीक कर सकते हैं। आप संकल्प करें कि आप इस कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। यही संकल्प दोहरा कर आप उन्हीं से कुर्सी ठीक करवा लें। (यह तो पक्का है कि कुर्सी पर आप ही को बैठना है। आपका संकल्प, सत्य, वादादि आपने जाने कितने बार तोड़ दिया है। वैसे ही आप इसे भविष्य में तोड़ देंगे। यही आपका अपना निजी संकल्प है।) आपके अपने सामर्थ्य से अपनी जाति के बड़े डंडों, अपने क्षेत्र के स्वार्थी बल व देश सेवा के सुहावने बोल्ट का उपयोग करके कुर्सी को बांध लीजिए।

वैकल्पिक बैठने का तरीका- यदि कुर्सी को ठीक करना संभव नहीं है, तो आप अलग तरीकों से साबुत कुर्सी पर बैठ सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने ढंग की जातियों के डंडे का उपयोग करके साबुत कुर्सी को टिकाने का प्रयास कर सकते हैं। अपनी जाति का डंडा दिखाकर टूटी हुई कुर्सी विरोधी के ऊपर फेंक सकते हैं। इसी छीना झपटी में आप साबुत कुर्सी पर आराम से बैठ सकते हैं।

तेज हवाओं के साथ बरसात से शहर की सड़कें बनी तालाब

बिजली आपूर्ति हुई बाधित, शाम को बिजली आने के बाद मिली राहत, गर्मी से निजात के बाद खुश नजर आए बच्चे

टीम एक्शन इंडिया/गन्नौर
मानसून की पहली बरसात से रविवार को सुबह से शुरू हुई बारिश शाम से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के चेहरे खिल उठे। तेज हवाओं के साथ शहर व गावों की बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। बिजली आपूर्ति शाम तक बहाल हुई। शहर की सभी सड़के जलभराव के कारण दिनभर तालाब बनी रही। वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हुई।बरसात के कारण शहर के रेलवे रोड पर देवीलाल चौक से जीटी रोड तक कई करीब दो फूट ऊचाई तक दिनभर जलभराव रहने के कारण पानी में वाहन रेंगते नजर आए। दुपहिया वाहन पानी में बंद होने के कारण दुपहिया वाहन चालक पानी के अन्दर से पैदल निकालते नजर आए। जिस कारण वाहन चालकों को परेशानी हुई।

इन जगहों पर भरा पानी, जलभराव से आवागमन बाधित: नई अनाज मंडी, मार्किट कमेटी कार्यालय, पुराना सचिवालय भवन के प्रांगण, शहर के रेलवे पार्क, लहरी सिंह पार्क, पांची जाटान, गढ़ी रोड आदि जगहों पर जलभराव से सड़के तालाबनुमा दिखाई दी।

शहरवासी सुरेन्द्र, विकास ने बताया कि शहर के बरसात के पानी की समुचित व्यवस्था व नालों की सफाई न होने के कारण बरसात होते ही ऐसे हालात हो जाते है।

सुबह से शाम तक गांव व शहर की बिजली आपूर्ति रही बाधित: सुबह बरसात के साथ तेज हवाओं के कारण शहर के कुछ हिस्से व भोगीपूर पावर हाऊस से जुड़े आधा दर्जन गांवों के अलावा पुगथला, कैलाना पावर हाऊस से जुड़े गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित रही। भोगीपूर पावर हाऊस की शाम को 4 बजे बिजली आपूर्ति बहाल हुई। उसके बाद बिजली से जुड़े कामों को लोगों ने करके राहत की सांस ली।

गर्मी से राहत

8 भगवान की कृपा से अब खेतों में पानी ही पानी हो गया है। अब किसान जोरों पर धान रोपाई का काम शुरू कर देंगे

गर्मी से मिली राहत, बच्चों ने लिया बरसात का आन्नद: पिछल्ले दिनों से पड़ रही तेज गर्मी से बरसात के बाद लोगों को राहत मिली। गर्मी के कारण लोग बेहाल थे। बरसात के बाद गर्मी से राहत मिलने पर छोटे- छोटे बच्चे घरों से बाहर आकर पास में भरे पानी के पास आन्नद लेते नजर आए। वहीं धूल- मिट्टी के उड़ने से बरसात के बाद लोगों को प्रदूषण से राहत मिली।

धान रोपाई के लिए खेत हुए जलमग्न, किसानों को मिली राहत, जोरो पर होगा शुरू रोपाई का काम: तेज बरसात से खेत भी जलमग्न हो गए। किसान करतार राठी, प्रेम, रमेश ने बताया कि इस समय धान रोपाई का काम चल रहा है। पिछले दिनों से बरसात न होने के कारण रोपाई के काम में देरी हो रही है। भगवान की कृपा से अब खेतों में पानी ही पानी हो गया है। अब किसान जोरो पर धान रोपाई का काम शुरू कर देंगे।

न्यूज फ्लैश

आज सोमवार से बुधवार तक लगेंगे परिवार पहचान-पत्र में त्रुटियां ठीक करने के लिए कैंप:

पानीपत: एडीसी वीना हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवार पहचान-पत्र से संबंधित त्रुटियां व अन्य जानकारियां हेतू जिले के हर गांव में कैंप लगाए जाएंगे। ये कैंप शहरी क्षेत्र के सभी वार्डो में भी लगाए जाएंगे। इन कैंपों के माध्यम से परिवार पहचान पत्रों से संबंधित समस्याओं को मौके पर ही निदान किया जाएगा। ये कैंप जिला के सभी गांवों व शहर के सभी वार्डो में आज 26 जून से लेकर 28 जून बुधवार तक लगाए जाएंगे। इन कैंपों का समय प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से ही दिया जा रहा है। प्रायः देखने में आया है कि परिवार पहचान पत्र में छोटी-छोटी कमियों के कारण कई बार पात्र व्यक्ति सरकार की योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार इन कैंपों के माध्यम से आमजन के द्वार पर ही उनके परिवार पहचान पत्रों से संबंधित त्रुटियों को ठीक किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं के सहयोग से केन्द्र व हरियाणा में बनाएगी सरकार: कृष्ण लाल पंवार

पानीपत: केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर पानीपत शहरी हलके के संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन रविवार को मेयर अवनीत कौर ने सेक्टर 25 स्थित एक बैंकट हाल में किया। सम्मेलन का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार और भाजपा जिला अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, ग्रामीण विधायक महीपाल ढांडा, मेयर अवनीत कौर, जिला महामंत्री कृष्ण छौक्कर किवाना व रविंद्र भाटिया आदि ने दीप प्रज्जवलित करके किया। सम्मेलन में राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने 9 साल के कार्यकाल में देश का नाम विश्व में रोशन करने का काम किया है। कार्यकताओं के सहयोग व आशीर्वाद से भाजपा 2024 में होने वाले चुनाव में लगातार तीसरी बार केंद्र व हरियाणा में सरकार बनायेगी। विधायक महीपाल ढांडा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने 9 साल के कायार्काल में जनहित के इतने काम करवा दिये, जबकि कांग्रेस अपने 60 साल के कायार्काल में भी नहीं करवा पाई। वहीं मेयर अवनीत कौर ने कहा कि बारिश के बावजूद भी इतनी भारी संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे और इसके लिये वे सभी का आभार व्यक्त करती है। मेयर ने दावा किया कि भाजपा कार्यकताओं के दम पर ही अगली बार भी लोकसभा, विधानसभा व नगर निगम चुनाव में जीत का परचम लहरायेगी। इस अवसर पर जैन समाज से प्रधान विनय जैन, रमेश जैन, सिख समाज से सरदार हरजीत सिंह दुआ, जगजीत सिंह, राजिन्द्र खुराना, बलदेव खुराना, राज मेहंदीरता, कवलजीत सिंह, किन्नर समाज से हाजी साधना, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रफाकम हसन, मुनीर गुर्जर, निगम के पार्षद, सभी मोर्चो के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

2024 में 300 से अधिक सीटों के साथ मोदी बनेंगे प्रधानमंत्री: शाह

जम्मू: भारतीय राजनीति की दशा और दिशा को बदल कर रख देने वाले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार के 9 साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए बिहार के पटना में विपक्ष के महाजुटान पर 'पुल शॉट' मारते हुए कहा कि, 'आज पटना में एक फोटो सेशन चल रहा है। विपक्षी दलों के नेता इकट्ठे हो गए हैं। वे संदेश देना चाहते हैं कि भाजपा और मोदी जी को चुनौती देंगे। यह महज एक फोटो सेशन है। विपक्ष में एकता संभव ही नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी का 300 से अधिक सीटों के साथ तीसरा कार्यकाल पूर्व निर्धारित है। विपक्षी दलों का एक मंच पर आना यह साबित करता है कि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए कांग्रेस की क्षमताएँ अपर्याप्त हैं। केंद्र में मोदी सरकार के नौ साल एक खुली किताब की तरह है। कांग्रेस की तरह नहीं, जिसने 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया। मोदी-शाह की जोड़ी के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। सालों तक जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों झ अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार झ का शासन रहा है। यदि इतिहास देखा जाए तो 1947 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर में 42,000 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी इन्हीं परिवारों पर है। आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासन के दौरान आतंक की 7,327 घटनाएँ हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के 9 साल में यह संख्या घटकर केवल 2,350 रह गई है। इसका मतलब साफ है कि आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी आई है। पिछले 9 साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर जिस कदर शिकंजा कस दिया गया है, उससे स्पष्ट है कि आज आतंकवाद अपनी मृत्यु शय्या पर है। मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के मार्गदर्शन में देश के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक विधान एक निशान एक प्रधान की धारणा को साकार करने की दिशा में धारा 370 को निरस्त करने का सख्त कदम उठाया गया। जिसके बाद 47 महीनों में, हड़ताल के केवल 32 कॉल आए।

बिजली बिलों में छूट के लिए निगम ने शुरू की विशेष योजना: एस. ई.

पानीपत, 25 जून(कमाल हुसैन)उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (यू.एच.बी.वी.एन.) ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के बकाया बिजली के बिलों में छूट देने के लिए योजना शुरू की है। इस माफी योजना का उन्हीं लोगों को लाभ मिलेगा, जिनकी परिवार पहचान पत्र के अनुसार वार्षिक आय 1 लाख से कम है।

निगम के पानीपत सर्कल के अधीक्षक अभियंता धर्मबीर छिकारा ने बताया कि लाभार्थी व्यक्ति का बिजली कनैक्शन डोमैस्टिक होना जरूरी है। इसके अलावा लाभार्थी की औसत मासिक बिजली खपत 150 यूनिट हो और 2 बिल न भरे हों । केवल वही इस योजना का पात्र लाभार्थी है। इस योजना में 8 जून 2023 तक से पहले के ही उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इन जरूरी शर्तों को पूरा करने वाले उपभोक्ता का पूरा सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि के अनुसार मूल राशि का 50 प्रतिशत माफ कर दिया जाएगा। इस योजना की खास बात यह है कि इसमें मूल राशि का शेष 50 प्रतिशत एक वर्ष की मोहलत के बाद 3 वर्षों में वसूल करने के लिए रोक दिया जाएगा। मूल राशि पर सरचार्ज भी नहीं लगाया जाएगा।

वहीं जिन उपभोक्ताओं के बिजली कनैक्शन काट दिए गए हैं, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के बकाया राशि जमा कर कनैक्शन चालू करवा सकते हैं। इस योजना का लाभ वे उपभोक्ता भी ले सकते हैं जिनका केस कोर्ट में विचाराधीन हैं। इसके लिए उन्हें एक लिखित शपथ पत्र कार्यालय में जमा करवाना होगा, जिसमें उपभोक्ता द्वारा लिखा जाएगा कि इस सैटलमैंट के बाद उनका कोई विवाद नहीं रहेगा।

सरकारी कार्य को बाधित करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार) पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा के निदेर्शानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व मामलों में वांछितआरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना मुलाना में दर्ज सरकारी कार्य को बाधित करने करने के मामले में 23 जून 2023 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी अजय कुमार निवासी गाँव बधौली थाना नारायणगढ़ जिला अम्बाला को गिरफ्तार माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले में सम्बन्ध में शिकायतकर्ता संजीव कुमार हरियाणा रोडवेज नारायणगढ़ अम्बाला डिपो बस परिचालक ने 15 जून 2023 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी।

बाबूलाल शर्मा को दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

टीम एक्शन इंडिया / संजय शर्मा नारनौल
बाबूलाल शर्मा ने ताउम्र देश सेवा के साथ की समाज सेवा और बच्चों को दिए अच्छे संस्कार। ये शब्द रविवार को सिहमा में आयोजित बाबूलाल शर्मा की रस्म पगड़ी समारोह में सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने श्रद्धांजलि देते हुए कहे। भिवानी महेन्द्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि बाबूलाल शर्मा जैसा पुरुषार्थी पुरुष बिरले ही होते है जो अपने शुभ कर्मों से समाज को भी प्रेरणा देते है। पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित कर रखा था। पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र सिंह ने कहा कि बाबूलाल शर्मा पुण्य आत्मा थे भगवान बाबूलाल शर्मा की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे। कैलाश जोशी मुंडियाखेड़ा, मास्टर भूरामाल सिहोर, कृष्ण शर्मा बेवल, सरपंच प्रतिनिधि समुंद्र सिंह जाट गुवाणा, प्रीतम सिंह चौकी इंचार्ज, डा कृष्ण वर्मा एडवोकेट, बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान मनीष वशिष्ठ, यशवीर ढिल्लो, सुरेंद्र स्वामी, शंकर सुमन, सत्य नारायण स्वामी एडवोकेट, नीरज गौतम ने अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बाबूलाल शर्मा ने अपने पुत्रों दिनेश भारद्वाज, कृष्ण, हेमंत शर्मा एडवोकेट को अच्छे संस्कार दिए जिनकी बदौलत वे भी सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेते है। इस मौके पर प्रो गजेन्द्र भारद्वाज, प्रो योगेंद्र भारद्वाज, लक्ष्मी नारायण जोशी, डा दीपक शर्मा अटेली, पूर्व सरपंच मनोज शास्त्री, अशोक शर्मा, महेंद्र शर्मा, मीडियाकर्मी इंद्रजीत यादव, प्रवीण भारद्वाज, मोहित भारद्वाज, राजकुमार शर्मा, केडी शर्मा सहित सैंकड़ों लोगों ने शर्मा को श्रद्धांजलि दी। रस्म पगड़ी कार्यक्रम में पहुंचे सभी महानुभावों का एडवोकेट हेमंत शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

'सत्यमित्रानन्द का सम्पूर्ण जीवन भारतीयता के लिए समर्पित था'

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)सनातन परंपरा के संतों में सहज, सरल और तपोनिष्ठ स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि का नाम उन संतों में लिया जाता है, जिनके आगे कोई भी पद या पुरस्कार छोटे पड़ जाते हैं। तन, मन और वचन से परोपकारी संत सत्यमित्रानंद आध्यात्मिक चेतना के धनी थे। उनका सम्पूर्ण जीवन भारत एवं भारतीयता के लिए समर्पित था। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने ज्योतिषपीठ बद्रिकाश्रम से संबद्ध आचार्यपीठ भानुपुरा के निर्वतमान जगद्गुरु शंकराचार्य पद्मभूषण स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की चतुर्थ पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मे आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी सत्यमित्रानंद के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्जवलन से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। डा. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा 29 अप्रैल, 1960 अक्षय तृतीया के दिन स्वामीजी ज्योतिर्मठ भानुपुरा पीठ पर जगद् ?गुरु शंकराचार्य पद पर प्रतिष्ठित हुए।23 वर्ष की अल्प वय में ही शंकराचार्य-पद पर अभिषिक्त होने के बाद दीन-दुखी, गिरिवासी, वनवासी, हरिजनों की सेवा और साम्प्रदयिक मतभेदों को दूर कर समन्वय-भावना का विश्व में प्रसार करने के लिए सनातन धर्म के महानतम पद को उन्होंने तृणवत त्याग दिया।श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा स्वामी सत्यमित्रानंद जी भले ही हिंदू धर्म से जुड़े हुए संत थे, लेकिन उन्हें अन्य धर्मों के विषय में बहुत ज्ञान था। उनका मानना था कि अपने धर्म के प्रति गौरव की भावना और दूसरे धर्म के प्रति सहिष्णुता के सिद्धांत से विश्व में शांति आ सकती है। इसी हष्टिकोण के अनुसार उन्होंने अपने हरिद्वार स्थित आश्रम का नाम समन्वय कुटीर रखा था। आध्यात्म जगत के बड़े हस्ताक्षर स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि छूआछूत के भी प्रबल विरोधी रहे। स्वामी सत्यमित्रानंद की धर्म, संस्कृति और लोक कल्याण से जुड़ी सेवाओं को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया था। इस अवसर पर मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा कुरुक्षेत्र संस्कृत वेद विद्यालय के वैदिक ब्रम्हचारियों को वैदिक साहित्य, अंगवस्त्र एवं पाठ्य समग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. राजीव जी ने किया। आभार ज्ञापन आचार्य नरेश ने किया। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ से हुआ। कार्यक्रम में मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थी, ब्रम्हचारी, सदस्य एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अवैध देसी कट्टा व जिन्दा करतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार) अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सी.आई.ए.-2 अम्बाला के पुलिस दल ने की कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अम्बाला जशनदीप सिहँ रंधावा के निदेर्शानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अवैध हथियार/कारतूस रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान 24 जून 2023 को सी0आई0ए0-2 अम्बाला के पुलिस दल ने निरीक्षक सन्दीप कुमार के नेतृत्व में सूचना के आधार पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए थाना पड़ाव क्षेत्र नन्हेड़ा फाटक के पास से आरोपी शुभम उर्फ विक्की निवासी कच्चा बाजार अम्बाला छावनी को अवैध देसी कट्टा व एक जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार कर थाना पड़ाव में मामला दर्ज कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 1 दिन रिमाण्ड प्राप्त किया। सी.आई.ए.-2 अम्बाला के पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध हथियार लेकर नन्हेड़ा की ओर जाएगा। यदि तुरन्त कार्यवाही की जाए तो उसे काबू किया जा सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए थाना पड़ाव क्षेत्र नन्हेड़ा फाटक के पास नाकाबन्दी की।

पानीपत शहर के सैकड़ों युवा हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
पानीपत के सेक्टर 11-12 स्थित एक रेस्टोरेंट में रविवार शाम को आयोजित कार्यक्रम में शहर के सैकडों युवा आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। आप के जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने सभी युवाओं को पार्टी की टोपी व पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। राकेश चुघ ने कहा कि आप की जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर सभी युवा पार्टी में शामिल हुए है। आप में शामिल होने वाले सभी युवाओं को पार्टी में पूरा मान सम्मान दिया जाएगा और इससे पानीपत शहर में पार्टी को मजबूती मिलेगी। राकेश चुघ ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते आज प्रदेश का हर वर्ग मौजूदा सरकार से परेशान है और हरियाणा की जनता भी दिल्ली व पंजाब सरकारों की तर्ज पर शिक्षा व स्वास्थ्य सहित मूलभूत सुविधाएं चाहती है।

प्रॉपर्टी बिल बाँटने का काम शुरू किया जायेगा: जैन

चीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़ प्रॉपर्टी आई० डी० में त्रुटियों की लगातार आ रही शिकायतों के चलते सरकार ने संज्ञान लेते हुए सरलीकरण की तरफ कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं! सबसे पहले सभी शहरों में प्रॉपर्टी बिल बाँटने का काम शुरू किया जायेगा ताकि हर नागरिक को अपनी प्रॉपर्टी आई० डी० की जानकारी प्राप्त हो सके! इससे भी आगे बढ़कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं प्रॉपर्टी आईडी की समीक्षा करेंगे ताकि एक-एक शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान हो सके।

उल्लेखनीय है की त्रुटियों को दूर करने की लिए मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार राजीव जैन ने मुख्यमंत्री जी और स्थानीय निकाय मंत्री डॉक्टर कमल गुप्ता को पत्र भेजकर कुछ सुझाव दिए थे जिनके बारे स्थानीय निकाय विभाग ने सभी निगमों, परिषदों एवं पालिकाओं को निर्देश दिए हैं कि अवैध कालोनियों में किसी प्रॉपर्टी का एरिया गलत दर्ज है तो उसे अब ठीक कर दिया जाये! इसके अतिरिक्त किसी प्रॉपर्टी का पिछला टैक्स गलत आ रहा था और अब ठीक जो गया है तो पिछले टैक्स को भी ठीक किया जायेगा! इसी तरह लाल डोरे में सिथत किसी प्रॉपर्टी में मालिक का नाम गलत दर्ज हो जाये तो रजिस्ट्री मांगी जाती थी जबकि अब पुराना रिकार्ड देखकर मालिक के नाम की त्रुटि को दूर कर दिया जायेगा! इसके अतिरिक्त प्रॉपर्टी आई० डी० ठीक करने के अधिकार एक के बजाए कई अधिकारियो को देने की भी तैयारी की जा रही है! राजीव जैन ने कहा कि वह लगातार इस प्रयास में हैं कि प्रॉपर्टी आई० डी० में आने वाली परेशानियां दूर हो सके, इसके लिया निरंतर चंडीगढ़ में बैठे अधिकारीयों के संपर्क में हैं ! उन्होंने बताया कि किसी भी नए सिस्टम में इस तरह की तकलीफें आती हैं और धीरे धीरे उन्हें दूर किया जाता है, उदाहरण के तौर पर व्रद्धावस्था पेंशन बैंकों के माध्यम से करने में भी परेशानियां आई थी परन्तु आज सभी वृद्ध व्यक्ति बैंक में आने से सुखी हैं!

पुलिस दल की बड़ी कार्यवाही, अनैतिक देह व्यापार के मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
अपराधों की रोकथाम व अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना सदर अम्बाला में दर्ज अनैतिक देह व्यापार के मामले में 23 जून 2023 को सी0आई0ए0-2 अम्बाला के पुलिस दल ने निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए आरोपी मनप्रीत सिहँ उर्फ मनी निवासी कोटल निरूग थाना सिटी रोपड़ जिला रूपनगर, आकाश निवासी डिफैंस कालोनी नजदीक गुग्गामाड़ी थाना पंजोखरा जिला अम्बाला, दविन्द्र पाल निवासी अशोक विहार अम्बाला, अशोक निवासी बलदेव नगर अम्बाला शहर, नरेश कुमार निवासी गाँव कुलतारन थाना सदर कैथल जिला कैथल व अशदीप सिहँ निवासी बलदेव नगर अम्बाला शहर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी अर्शदीप उर्फ का 02 दिन का रिमाण्ड प्राप्त किया व अन्य आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 22 जून 2023 को पुलिस को सूचना मिली थी कि स्काई होटल हिसार-चण्डीगढ़ रोड अम्बाला शहर में अनैतिक देह व्यापार का अनैतिक कार्य किया जाता है। सूचना उपरान्त उप-पुलिस अधीक्षक अम्बाला छावनी आशीष चैधरी के नेतृत्व में सी0आई0ए0-2 अम्बाला निरीक्षक संदीप कुमार व पुलिस टीम का गठन कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीम ने तुरन्त कार्यवाही करते हुए स्काई होटल हिसार-चण्डीगढ़ रोड अम्बाला शहर में छापेमारी की और छापेमारी के दौरान आरोपी मनप्रीत सिहँ उर्फ मनी निवासी कोटल निरूग थाना सिटी रोपड़ जिला रूपनगर, आकाश निवासी डिफैंस कालोनी नजदीक गुग्गामाड़ी थाना पंजोखरा जिला अम्बाला, दविन्द्र पाल निवासी अशोक विहार अम्बाला, अशोक निवासी बलदेव नगर अम्बाला शहर, नरेश कुमार निवासी गाँव कुलतारन थाना सदर कैथल जिला कैथल व अशदीप सिहँ निवासी बलदेव नगर अम्बाला शहर के खिलाफ थाना सदर अम्बाला में मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई

8 आरोपी का 02 दिन का रिमाण्ड प्राप्त किया व अन्य आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार) थाना मुलाना में दर्ज धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के मामले में 23 जून 2023 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी रमनदीप सिहँ उर्फ अंशुल निवासी राणा मौहल्ला बिलासपुर थाना बिलासपुर व विशाल पण्डित उर्फ विशाल कुमार निवासी गाँव बदनारा थाना पुण्डरी जिला कैथल को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार शामिल जाँच किया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता जशदीप सिहँ निवासी गाँव कोड़वा खुर्द ने 18 मई 2023 को थाना मुलाना में शिकायत दर्ज करवाई थी।

प्लाट में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ने के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)
अम्बाला पुलिस द्वारा चोरी/लूट/स्नैचिंग की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान 23 जून 2023 को थाना बलदेव नगर में दर्ज चोरी की नीयत से लॉक तोड़ने का प्रयास कर साथ के प्लाट में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ने के मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सिमरनजीत सिहँ व पवन कुमार निवासी गाँव काकरू थाना बलदेव नगर अम्बाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता श्री मनीष निवासी गाँव काकरू ने 22 जून 2023 को थाना बलदेव नगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 21/22 जून 2023 की रात्रि आरोपी सिमरनजीत सिहँ व पवन कुमार निवासी गाँव काकरू थाना बलदेव नगर अम्बाला ने चोरी की नीयत से लॉक तोड़ने का प्रयास कर साथ के प्लाट में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़ने का अपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी।

शरीर में पोटेशियम कितना जरूरी

- पोटेशियम आपके तंत्रिका तंत्र और रक्त संचार को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है
- शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होती है
- कब्ज की शिकायत भी हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती
- पोटेशियम की कमी की वजह से कई लोगों को तनाव हो जाता है

हमारा शरीर पांच तत्वों से बना है। हमारे शरीर को सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत होती है। हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए हर प्रकार के पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। इन्हीं में से एक पोटेशियम नामक तत्व भी होता है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो कई प्रकार के रोग और विकार, मनुष्य के शरीर को घेर लेते हैं। इसकी कमी की वजह से कई लोगों को तनाव भी हो जाता है। इसीलिए आपने देखा होगा कि तनावग्रस्त लोगों को काला नमक डालकर केला खाने की सलाह दी जाती है।

पोटेशियम की कमी होने के लक्षण

मांसपेशियां कमजोर: अगर आपको रोज ही मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और टीस रहती है तो शायद आपके शरीर में पोटेशियम की कमी हो गई है।

झनझनाहट : शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होता है, क्योंकि पोटेशियम ही आपके तंत्रिका और रक्त संचार को सुचारू रूप से होने में मदद करता है।

दिल तेजी से धड़कना : पोटेशियम की कमी से हार्ट की मांसपेशियों में संकुचन आ जाता है। जिसकी वजह से वह सामान्य रूप से नहीं धड़क पाता।

कब्ज : पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को कब्ज की शिकायत हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती है।

मानसिक दबाव: पोटेशियम की कमी से मानसिक दबाव होने लगता है और कई बार व्यक्ति तनाव में रहने लगता है। अवसाद की स्थिति में पोटेशियम की कमी ही कुछ हद तक जिम्मेदार होती है।

हाइपरटेंशन: शरीर में पोटेशियम कम होने पर रक्त वाहिकाओं में समस्या आने लगती है और मस्तिष्क तक रक्त का संचार ठीक ढंग से नहीं हो पाता है और व्यक्तिको सोचने व समझने में दिक्कत होती है। यह एक गंभीर स्थिति होती है।

मतली: अगर आपको बिना वजह ही मतली आती रहती है तो पोटेशियम की कमी आपके शरीर में हो चुकी है। आपको शीघ्र ही शरीर में पोटेशियम तत्व भरपूर करने वाले खाद्यो की पूर्ती करनी चाहिए।

नीम की चाय बीमारियों को करे गुड बाय

नीम नाम सुन कर ही हमें कड़वेपन का ऐहसास होने लगता है। जिस तरह सच्ची बात हमेशा ही कड़वी होती है, उसी तरह नीम भी कड़वापन लिए आपकी बीमारियों के लिए सच्ची तरह दूर करने में सहायक होता है। यूं तो नीम की पत्तियों और दांतून आपकी दांतो और त्वचा की देखभार करता ही है पर अब यदि आप नीम की चाय या फिर नीम का काढ़ा बना कर पींए तो आपका स्वास्थ्य और भी ज्यादा निखर सकता है। जाने कैसे :

1. **बैक्टीरिया और वायरस का करता है नाश :** नीम शरीर में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में असरदार है। यह आपके शरीर की बीमारियों को जड़ से निकालने की कोशिश करता है।
2. **सांसो की बदबू दूर करे:** यदि सांसो से बदबू आने की समस्या है तो नीम की चाय से आपकी यह प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है। नीम दांतों की सड़न से भी बचाती है।

3. **कब्ज दूर करे :** यदि आपको कब्ज की समस्या है तो आप नीम से बनी हुई चाय पी सकते हैं। यह आपकी पाचन क्रिया को दुरूस्त करके आपकी कब्ज की प्रॉब्लम दूर करता है।
4. **खून साफ करे:** नीम को खून साफ करने में महारत हांसिल है। यह खून को साफ कर के हमें निरोगी बनाती है। नीम की चाय बड़ी-बड़ी बीमारियां जैसे, निमोनिया, मलेरिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल के रोग से बचाती है। नीम की चाय कैसे बनती है और इसे पीते वक्त क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए।

नीम की चाय बनाने की विधि:- जरूरत के हिसाब से पानी उबाल लें। एक कप में मुठ्ठीभर नीम की पत्तियां डालें और ऊपर से उबला पानी डालें। नीम की पत्तियों को पानी में 5-7 मिनट तक भिगोए रखने के बाद पत्तियों को छान लें। फिर कप के पानी में शहद या नींबू का रस मिक्स करें। आप चाहें तो नीम की पत्तियों के अलावा नीम की पत्तियों का पॉवडर भी डाल सकते हैं।

नीम की चाय का साइड इफेक्ट:

1. वैसे तो नीम की चाय स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है पर इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। यदि कोई महिला गर्भवती हैं या फिर गर्भवती होने वाली है, तो इस चाय को पीने से बचें। यह चाय आपका गर्भपात कर सकती है।
2. नीम की चाय केवल दो कप ही पीनी चाहिए क्योंकि यह बहुत तेज होती है इसलिए इसे ज्यादा पीने से आपको उल्टी जैसा महसूस हो सकता है।
3. नीम की चाय रोज न पीएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्क्षचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से) - 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से) - माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से) - 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से) - 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

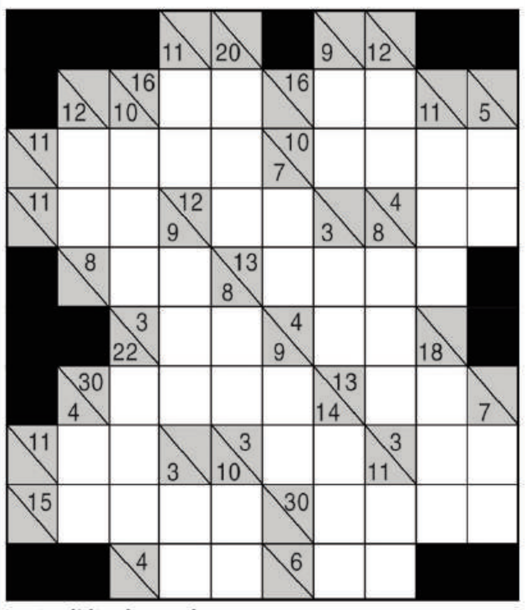

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

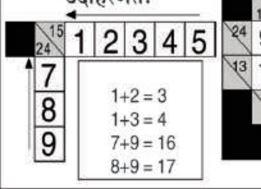

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4094 हल

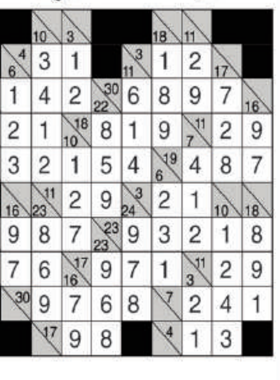

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

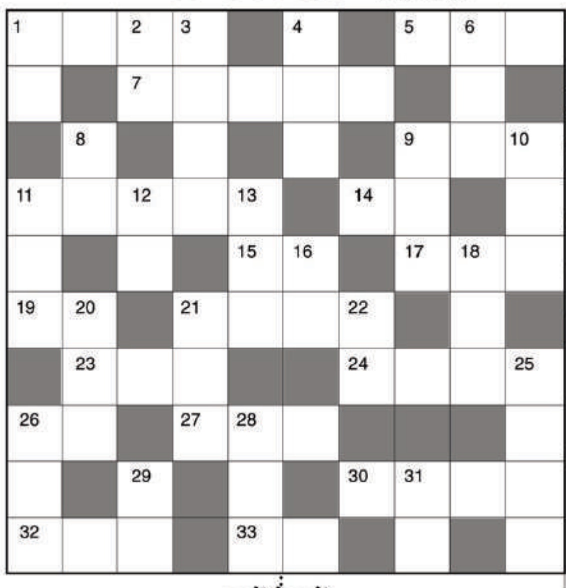

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4094

सूडोकु -4095

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4094 हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 4095

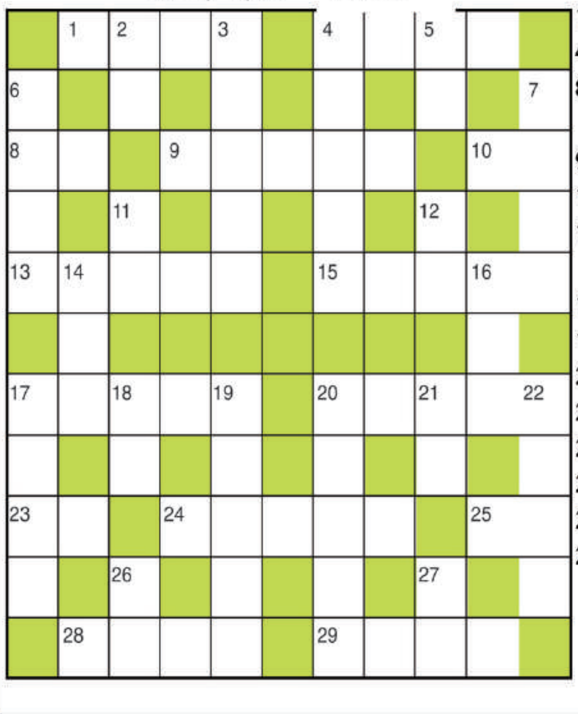

बाएँ से दाएँ

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त,अकाल-5
20. प्रयास,कोशिश-5
23. टोंटी,नलका-2
24. कामदेव,पुष्कर-2,3
25. डर,भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2. बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा,नुकसान-2
6. मूर्ख,बेवकूफ-4
7. बिना कारण,बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम,संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह,किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्,अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली 4094 हल

कौन है अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का टाइगर ? शाहिद अफरीदी बोले- विराट कोहली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का मानना है कि विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के टाइगर हैं। इससे पहले वसीम अकरम ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किये थे। अफरीदी ने कहा कि बाबर आजम पाकिस्तान क्रिकेट के सुपरस्टार हैं जोकि अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं लेकिन अगर आप कोहली की बात करें तो वह काफी आगे हैं। विराट कोहली अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। वह आखिरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे।टीम इंडिया यह फाइनल जीत नहीं पाया था। कोहली अपनी कप्तानी में इस चैम्पियनशिप के पहले संस्करण में भी टीम इंडिया को फाइनल तक ले गए थे जहां न्यूजीलैंड के हाथों भारत को हार मिली थी। विराट के लिए आईपीएल 2023 काफी अच्छा गया था जिसमें आरसीबी की ओर से खेलते हुए उन्होंने दो शतक समेत 600 से अधिक रन बनाए थे। बहरहाल, शाहिद अफरीदी भारतीय क्रिकेट पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते लेकिन विराट कोहली के प्रदर्शन ने उन्हें झुकने पर मजबूर कर दिया। अफरीदी से जब एक शो के दौरान पूछा गया कि क्रिकेट का टाइगर कौन है तो उन्होंने बाबर आजम की बजाय विराट कोहली का नाम लिया।

एनडीबीजी को हराकर फाइनल में पहुंचा सीआईडी क्रिकेट क्लब

लखनऊ। आईआरएस क्राउन कारपोरेट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सीआईडी क्रिकेट क्लब ने एनडीबीजी क्रिकेट क्लब को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में सीआईडी के बल्लेबाज शिशिर पांडेय ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 47 रन बनाये। एनडीबीजी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट गवांकर 105 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज सैयद ने तीन चौका की मदद से 29 रन बनाये। वहीं मनदीप सिंह 15 रन बनाये। सौरभ ने 11 रन बनाये। सीआईडी क्रिकेट क्लब ने मात्र दो विकेट खोकर 106 रन बना लिये और आठ विकेट से मैच को जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अभिषेक सैनी ने छह चौका और एक छक्का की मदद से 33 बाल पर 46 रन बनाये। शिशिर पांडेय ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए पांच चौका और दो छक्का की मदद से 32 बाल पर 47 रन बनाये और अंत तक क्रीज पर जमे रहे, जबकि आनंद शास्त्री पहली बाल पर एलबीडब्ल्यू होकर पवेलियन लौट गये।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने किया क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा का शुभारंभ

रतलाम। क्रीड़ा भारती के तत्वावधान में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित ऑनलाइन क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा का शुभारंभ दिल्ली में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष मशहूर एथलीट पीटी ऊषा ने किया। शुभारंभ अवसर पर पीटी ऊषा ने कहा कि भारत के गांवों में खेलों की अनूठी प्रतिभाएं छुपी हुई है। इन प्रतिभाओं को ढूंढ कर बाहर निकालने की जरूरत है। शुभारंभ अवसर पर क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष गोपाल सैनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं विधायक चेतन्य काश्यप, ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे, क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय महामंत्री राज चौधरी, अखिल भारतीय सहमंत्री रामानंद चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर पीटी ऊषा ने कहा कि वह खुद भी छोटे गांव से आई है, ऐसी कई प्रतिभाएं है जिनको उचित जगह नहीं मिल पाती। देश में लोगो में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की भी जरूरत है। यह काम क्रीड़ा भारती द्वारा देशभर में किया जा रहा है, इसके लिए क्रीड़ा भारती बधाई की पात्र है। क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष गोपाल सैनी ने कहा कि खेलों से राष्ट्रीयता की भावना आती है, जिस तरह से आईएएस, आईपीएस बनने को बच्चे केरियर मानते है, वैसे ही एक अच्छा खिलाड़ी बनना भी केरियर है।

पिता की मौत के बाद ऐसी थी कोहली की हालत, ईशान ने कहा- मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता

नई दिल्ली। भारत के वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के जीवन के सबसे कठिन दौर को याद किया। ईशांत और कोहली अपनी क्रिकेट यात्रा की शुरुआत से ही अच्छा दोस्त रहे हैं। दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को अंडर-17 के दिनों से जानते हैं और दिल्ली और भारत के लिए एक साथ खेले हैं। इशांत ने कोहली के पिता की मृत्यु के बाद खिलाड़ी के कठिन दौर के बारे में खुलकर बात की। तेज गेंदबाज ने कहा कि भारत का पूर्व बल्लेबाज 17 साल की उम्र में बल्लेबाजी करने और मैच जीतने से पहले अकेला और दुखी था। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कोहली ने ऐसा कैसे किया और अगर मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता। ईशांत ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, 'जिस दिन विराट कोहली के पिता का निधन हुआ, वह अकेले और उदास थे, उन्हें नहीं पता था कि कैसे प्रतिक्रिया दें, लेकिन फिर उन्होंने बल्लेबाजी की और 17 साल की उम्र में मैच जीत लिया-आज तक मुझे समझ नहीं आया कि अगर मेरे साथ ऐसा होता तो कैसे होता?' मैं मैदान पर नहीं गया होता।' इशांत ने इसके बाद कोहली के अन्य चरणों को याद किया और स्वीकार किया कि भारत का यह स्टार बल्लेबाज अपने करियर में महत्वपूर्ण बदलावों से गुजरा है। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके सभी चरण देखे हैं। पार्टी से लेकर टैटू तक, फिटनेस फ्रीक से लेकर एक टॉप परफॉर्मर तक, उन्होंने अपने करियर में बड़े पैमाने पर बदलाव किया है। उन्हें पार्टियों का शौक था और कोलकाता में एक टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने पूरी रात पार्टी की लेकिन अगले दिन उन्होंने 250 रन बनाए। वह पिछले दिन नाबाद थे और हम अंडर-19 क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।'

आंध्र की महेश्वर ने कर्नाटक के संतोष व राजस्थान की पूनम ने महाराष्ट्र की श्रावनी को दी मात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ द्वारा सनराईज ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट (अंडर-15 व अंडर-17) में उमस भरी मौसम के बीच खिलाड़ियों ने जमकर पसीने बहाये। दिनभर चली प्रतियोगिताओं में चार सौ से ज्यादा मैच खेले गये। इसमें आंध्र प्रदेश की उमा महेश्वर रेड्डी ने कर्नाटक के ध्यान संतोष को हरा दिया। वहीं राजस्थान की पूनम स्वामी ने महाराष्ट्र की श्रावनी पाटिल को हराया। वहीं राजस्थान की स्नेहा लाम्बा ने छत्तीसगढ़ की जसमीत कौर को सीधे सेटों में मात दे दी।इन मैचों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शक भी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते रहें। इन मैचों में आंध्र प्रदेश की जसविथा डनगति ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और हरियाणा की नैन्सी को सीधे सेटों में 15-10, 15-8 से मात दे दी। उप्र के ताराजीत कौर ने तमिलनाडु के नक्षत्र जयराज को 15-8, 15-7 से हरा दिया। वहीं उतराचंल के सुर्याक्ष रावत ने तमिलनाडु के एम.एस माधव को सीधे सेटों में 15-9, 16-14 से हरा दिया। दिल्ली के यश्वी ने हरियाणा के जाएल राना को 15-11, 16-14 से, तमिलनाडु के आधिरा राजकुमार को महाराष्ट्र के यश्वी पटेल को 15-8, 15-9 से, महाराष्ट्र के दक्ष्यानी पाटिल ने आध्रं प्रदेश के ऐशा माटे को 15-12, 15-12 से, आंध्र के बाला प्रणय ने कर्नाटक के प्रणव को 15-10, 16-14 से, पश्चिम बंगाल के कारांजित साहा ने महाराष्ट्र के इशान को 15-11, 12-15, 15-9 से हरा दिया। वहीं आसाम के आनयन बोराह ने कर्नाटक के सत्याशिश शर्मा को 15-4, 15-7 से, जम्मू-कश्मीर की काव्या ने छत्तीसगढ़ की राशि मल्ल को 15-11, 15-7 से मात दी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए नहीं चुने जाने पर सरफराज खान ने दी जोरदार प्रतिक्रिया, शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज 12 जुलाई से मल्टी फॉर्मेट सीरीज में आमने-सामने होंगे। इससे पहले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने हाल ही में आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम की घोषणा की। दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों से सीरीज शुरू होगी जिसके बाद तीन वनडे और पांच टी20आई मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। बीसीसीआई के वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम की घोषणा की के बाद 25 वर्षीय सरफराज खान को को टेस्ट टीम के लिए नहीं चुने जाने पर जोरदार प्रतिक्रिया दी है। ट्विटर पर सरफराज को टीम में शामिल न करने के लिए बीसीसीआई को लताड़ लगाई क्योंकि भारतीय बल्लेबाज निस्संदेह हाल ही में रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में से एक रहा है और कई लोगों का मानना है कि वह वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए सबसे योग्य उम्मीदवारों में से एक थे। इसके अलावा सरफराज ने अब अपने चयन न होने पर चुप्पी तोड़ी है।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर सरफराज ने बिना किसी कैप्शन के रणजी ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी कौशल का एक वीडियो पोस्ट किया। कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि सरफराज खान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में से एक हैं और निश्चित रूप से राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण के हकदार हैं। 37 प्रथम श्रेणी मैचों में 25 वर्षीय ने अपने नाम पर 3505 रन बनाए हैं और उनके टेस्ट चयन में चूकने से कई विशेषज्ञ भी नाराज हैं। सरफराज के अलावा कई नए नाम हैं जो वेस्टइंडीज दौरे पर भारतीय टीम में शामिल होंगे। रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल और मुकेश कुमार को वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया है।

टैमी ब्यूमोंट ने जड़ा दोहरा शतक, इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए 462 रन

मेलर्बन। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे एकमात्र महिला एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट के बल्ले से पहली पारी में शानदार दोहरा शतक देखने को मिला। उन्होंनें 331 गेंदों में 208 रनों की पारी खेली। यह उनर यह उनका टेस्ट क्रिकेट में पहला दोहरा शतक भी है, जिसकी मदद से इंग्लैंड ने पहली पारी में 463 रन बनाए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लबाजी करते हुए पहली पारी में 473 रन बनाए हैं।इंग्लैंड की लिए ओपनिंग करने आई एम्मा लैंब कुछ खास नहीं कर पाई और 10 रन बनाकर चलती बनी।

इसके बाद टैमी ने कप्तान हीथर नाइट के साथ पारी संभाली। कप्तान नाइट ने 57 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं नेट साइबर ब्रंट ने भी अपनी अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 78 रनों की पारी खेली। डेनियल व्हाइट ने 44 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 473 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने 184 गेंदों में 137 रन बनाए, वहीं एलिस पेरी अपने शतक से चूक गई। वह 153 गेंदों में 99 कन बनाकर आउट हुईं। तहिला मैकग्रा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 83 गेंदों में 61 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर सोफी एक्लेस्टोन ने 5 विकेट चटकाए, जबकि लौरेन बेल और लौरेन फाइलर ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके अलावा केट क्रोस ने 1 विकेट हासिल की।

कोई आश्चर्य नहीं कि मेरे बाल नहीं हैं, लगातार 100 टेस्ट खेलने से पहले बोले नाथन लियोन

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन लंदन के लॉर्ड्स में आगामी दूसरे एशेज टेस्ट में एक बड़ा रिकार्ड बनाएंगे। लॉर्ड्स टेस्ट में उतरते ही वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से लगातार 100 टेस्ट खेलने वाले स्पैशलिस्ट गेंदबाज बन जाएंगे। 2013 के बाद से 35 वर्षीय लियोन ने 99 टेस्ट खेले हैं। उनसे पहले 5 क्रिकेटर लगातार 100 या इससे ज्यादा टेस्ट खेल चुके हैं। एलिस्टर कुक (159), एलन बॉर्डर (153), मार्क वॉ (107), सुनील गावस्कर (106) और ब्रेंडन मैकुलम (101)।

नया रिकॉर्ड बनाने पर लियोन ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे वास्तव में गर्व है। लगातार 100 टेस्ट मैचों में टिकने में सक्षम होना, यह मेरे दिमाग में एक उचित प्रतिमा है। यह बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट है, बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि मेरे बाल नहीं है। किसी भी एथलीट को लंबे समय तक सफल होने के लिए आसपास अच्छे लोग चाहिए होते हैं। मुझे लगता है कि मेरा परिवार बिल्कुल अद्भुत रहा है, उनका समर्थन और प्यार और देखभाल ने मुझे यहां तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट की उपलब्धि हासिल करने से पांच विकेट दूर है। लियोन ने कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक है जब आप उन नामों को देखते हैं जो 500 टेस्ट विकेट ले चुके हैं। मैं जानता हूं कि मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं और अब तक की अपनी यात्रा के लिए आभारी हूं। यह अद्भुत रहा है और अगर मैं एशेज में बढ़िया प्रदर्शन करने में सफल रहा तो यह काफी खास होगा।

हॉकी इंडिया ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) में 26 जून से 19 जुलाई तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए सीनियर पुरुष टीम के 39 सदस्यीय कोर समूह (मुख्य खिलाड़ियों) की घोषणा की। शिविर के बाद टीम स्पेन के टेरासा जाएगी जहां वह स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 25 से 30 जुलाई तक हिस्सा लेगी। भारत और मेजबान स्पेन के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

चार देशों के टूर्नामेंट के बाद एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से खेली जाएगी जिसमें भारत का सामना खिताब के लिए कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 के बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए मुकाबलों में हमने अच्छा प्रदर्शन किया और अब हमें यही निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद है विशेषकर इस साल दूसरे हाफ में होने वाले में होने वाले महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों को देखते हुए।' उन्होंने कहा, 'शिविर हमारे लिए कुछ क्षेत्रों में खुद को बेहतर बनाने और एक बार फिर एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने का अवसर होगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 चेन्नई में अगस्त में होने वाली है जिसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल 2023 होंगे। यह हमारे लिए आगामी महीनों के लिए अपनी तैयारी शुरू करने और जिस तरह की हॉकी हम खेलना चाहते हैं उसे प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण शिविर है।'

भारत का 39 सदस्यीय कोर संभावित समूह इस प्रकार है:

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप सेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मनजीत।

मिडफील्डर:मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलाकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फारवर्ड : एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर।

सैफ चैंपियनशिप: चारों खाने चित हुआ पाकिस्तान, कुवैत ने 4-0 से पीटा

बेंगलुरु। कुवैत ने मुबारक अल-फनैनी के दो गोलों के दम पर सैफ चैंपियनशिप के ग्रुप-ए मुकाबले में पाकिस्तान को 4-0 से पीटकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ा लिया। श्री कांतीरवा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में फनैनी (17वां, 45+1वां मिनट) ने कुवैत के लिए दो गोल किए। हसन अल एनेजी (10वां मिनट) और ईद नासर अल राशिदी (69वां मिनट) ने एक-एक गोल का योगदान दिया। कुवैत जहां नेपाल और पाकिस्तान को हराकर ग्रुप-ए के शीर्ष पर है, वहीं पाकिस्तान भारत और कुवैत के विरुद्ध दोनों मुकाबले हारने के बाद तालिका में सबसे नीचे पहुंच गया है। टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज कुवैत शुरू से ही फ्रंटफुट पर रहा और उसने बढ़त लेने का दृढ़ संकल्प दिखाया। सफलता के लिए उनके शुरुआती प्रयास का लाभ तब मिला जब हसन ने 10वें मिनट में बॉल को नेट में पहुंचाया। उन्होंने दाएं फ्लैंक से एक लंबे क्रॉस का पीछा किया और अपना समय लेने के बाद गेंद को अंदर डाल दिया। कुवैत ने 1-0 की बढ़त लेने के बाद भी अपना दबदबा बनाए रखा और गेंद पर कब्ज़ा रखा। उन्हें आधे घंटे से पहले एक और सफलता मिली जब अलराशिदी को काउंटर पर ड्रिबल करने के लिए पर्याप्त जगह मिली। अलराशिदी ने अल-फनैनी को अंतिम पास दिया, जिन्होंने कुवैत की बढ़त दोगुनी करने में कोई गलती नहीं की। दूसरी ओर, पाकिस्तान 38वें मिनट में खाता खोलने के करीब आया जब हारुन हामिद ने बॉक्स के अंदर एक आकर्षक क्रॉस दिया। उनका कोई भी साथी हालांकि बॉल को नेट में पहुंचाने के लिये सही जगह पर नहीं था। अलराशिदी ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में कुवैत की बढ़त 3-0 कर पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दीं। भारी बढ़त लेने के बावजूद कुवैत ने अपनी आक्रामकता कम नहीं की। आखिरकार अलराशिदी ने 69वें मिनट में अपना दूसरा और कुवैत का चौथा गोल कर दिया। कुवैत अब मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मुकाबले में मेजबान भारत से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा।

टी20 प्रारूप में दस हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले नौंवे बल्लेबाज बने जोस बटलर

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर टी20 प्रारूप में दस हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले क्रिकेट के इतिहास में नौवें बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि विटैलिटी ब्लास्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में डर्बीशायर फाल्कन्स के खिलाफ हासिल की। उन्होंने लंकाशायर लाइटनिंग के लिए खेलते हुए मात्र 36 गेंदों में 83 रनों की आकर्षक पारी खेली और अपनी टीम को 27 रन से जीत दिलाई। 83 रनों की अपनी प्रभावशाली पारी में, बटलर ने छह छक्के लगाए और लियाम लिविंगस्टोन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए केवल 41 गेंदों में 101 रनों की उपयोगी साझेदारी की, जिससे लंकाशायर ने 15 ओवरों में 4 विकेट पर 177 रन बनाए। बता दें कि यह मैच बारिश के कारण लगभग 80 मिनट देर से शुरु हुआ था, इसलिए 20-20 ओवरों के बजाय 15-15 ओवरों का खेला गया। बटलर को जमान खान ने लेउस डू प्लॉय के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा, भले ही वह अपने शतक से 17 रन से चूक गए, फिर भी उन्होंने 10,000 टी20 रन बनाने की उपलब्धि हासिल कर ली। वह उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गए हैं जिसमें वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल शामिल हैं जो टी20 क्रिकेट में 14,562 रनों के साथ सूची में शीर्ष पर हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 26 जून 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

वृन्दावन: विकास कार्यों का निरीक्षण किया

पर्यटन सुविधा केंद्र में सीएम ने संतों के साथ किया जलपान और वार्ता, मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय अतिथि गृह परिसर में पौधारोपण भी किया

वार्ता की

सीवर परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पन्न करने के निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वृन्दावन में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने वृंदावन में चल रहे सीवर परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य सम्पन्न करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार से मथुरा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। योगी आदित्यनाथ ने 2017 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही सबसे पहले ब्रज के विकास और यहां के तीर्थ स्थलों की सुरक्षा का संकल्प लिया। इसके लिए सीएम योगी ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की घोषणा कर, ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया। अब ब्रज में विकास कार्यों की गंगा बह रही है। ब्रज के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार सुबह करीब 08 बजे गेस्ट हाउस से सीधे अधिकारियों संग वृंदावन में चल रहे विकास कार्यों के निरीक्षण के लिए निकल गए। उन्होंने सीवर परियोजना के निरीक्षण कर, अधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण कार्य सम्पन्न कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी स्थलीय निरीक्षण के बाद सीधे साधु- संतों के साथ वार्ता के लिए वृंदावन में बने पर्यटन सुविधा केंद्र में पहुंच गए। वहां पर योगी ने साधु- संतों के साथ वार्ता कर उनका हालचाल जाना और मथुरा में हो रहे कार्यों पर उनसे चर्चा भी की। मुख्यमंत्री ने वार्ता के दौरान संतों के साथ जलपान ग्रहण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री वृंदावन में बने हेलीपैड की ओर प्रस्थान कर गए।

मीडिया जगत के ध्रुव तारा हैं रामनाथ गोयनका: सीएम योगी

टीम एक्शन इंडिया/गौतमबुद्ध नगर
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 25 जून 1975 का दिन लोकतांत्रिक भारत का काला अध्याय है। 48 वर्ष पहले इसी दिन भारत के लोकतंत्र का गला को घोटने का कार्य हुआ था। उस दौर में मीडिया और लोकतंत्र को बचाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाने का कार्य स्वर्गीय रामनाथ गोयनका ने किया था। रामनाथ गोयनका मीडिया जगत का चमकता हुआ ध्रुव तारा हैं। जब भी लोकतंत्र और पत्रकारिता की बात होगी, तब गोयनका जी का नाम सम्मान के साथ लिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को रामनाथ गोयनका मार्ग के अनावरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय रामनाथ गोयनका और आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ाई लड़ने वाले सभी लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गोयनका ने एक योद्धा की तरह कार्य किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रेरणा से गोयनका जी ने वर्ष 1936 में इंडियन एक्सप्रेस की स्थापना कर भारत की आमजन की आवाज को एक नई ऊंचाई देना का कार्य। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोयनका ने मीडिया की स्वतंत्रता के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका किस तरह की होनी चाहिए।

पहाड़ों में हो रही मूसलाधार बारिश, नदी उफान पर, अलर्ट जारी

राफ्टिंग बंद

गंगा तट के किनारे के निवासियों को स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी है

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश
पिछले 2 दिनों से पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश के कारण गंगा सहित ऋषिकेश के आसपास के नदी-नालों का जलस्तर बढ़ जाने के परिणाम स्वरूप गंगा तट के किनारे के निवासियों को स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी है। टिहरी प्रशासन ने आगामी दो दिनों तक के लिए गंगा नदी में होने वाली राफ्टिंग को बंद कर दिया है। इस स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है ऋषिकेश के उप जिलाधिकारी सौरभ अस्वाल, तहसीलदार चमन लाल सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं। रविवार की सुबह से हो रही लगातार बारिश के कारण नगर की तमाम मलिन बस्तियों मायाकुंड चंद्रभागा शांति नगर सर्वहारा नगर सहित नगर के बीचो बीच बहने वाले सरस्वती नाले भी भारी उफान पर आ गए हैं जिसके कारण त्रिवेणी घाट पर बनी फूलों की दुकान और श्री गंगा सभा के कार्यालय को भी खतरा उत्पन्न हो गया। इतना ही नही त्रिवेणी घाट पर गंगा नदी को जाने वाला मुख्य मार्ग पानी के कारण लबालब हो गया है। जी-20 के लिए विदेशी मेहमानों के स्वागत को गंगा नदी के बीच में बने टापू पर मंसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से लगाए गए सौंदर्यीकरण की दृष्टि से घास और सुंदर पेड़ भी गंगा जी की भेंट चढ़ गए हैं। यही नहीं सौन्ग नदी भी अपने पूरे उफान पर आ गई है, जिसके कारण कई गांव खतरे की जद में आ गए हैं। कुल मिलाकर बारिश के कारण नगर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

केदारनाथ: दीवारों पर लगी सोने की प्लेटों पर उठाया सवाल

चोरी का मामला

जब सोना लगाया गया तो वह कैसे 230 किलो से 23 किलो हो गया, यह बात समझ नहीं आ रही।

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पौड़ी लोकसभा सीट से सांसद उम्मीदवार रहे मनीष खंडूडी ने केदारनाथ के गर्भ गृह की दीवारों पर लगी प्लेटों पर सवाल उठाया है। रविवार को पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस नेता मनीष खंडूडी ने पत्रकारों से बातचीत में पूर्व में प्रकाशित अखबारों की कटिंग दिखाते हुए यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जब अखबारों में यह बात प्रकाशित की जा रही थी कि केदारनाथ मंदिर की दीवारों में 230 किलो सोना लगाया जाना है, तब किसी भी भाजपा नेता ने इसका खंडन नहीं किया और खूब वाहवाही बटोरी। जब सोना लगाया गया तो वह कैसे 230 किलो से 23 किलो हो गया, यह बात समझ नहीं आ रही। मनीष ने इसे इनकम टैक्स चोरी का मामला भी बताया है। उनका कहना है कि जिस दानी दाता ने यह सोना केदारनाथ मंदिर को दान किया है, उसे रिबेट के रूप में कितना पैसा मिला है। यह जानना बेहद जरूरी है। इससे साफ हो जाएगा कि कितनी इनकम टैक्स की चोरी केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह में प्लेटों को लगाने पर की गई है।

धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के संकल्प के साथ विहिप की बैठक संपन्न

चिंता व्यक्त की

हिंदू परिवार व्यवस्था को विखंडित करने के लिए देश विरोधी विभिन्न शक्तियां षड्यंत्र रच रही हैं

टीम एक्शन इंडिया/रायपुर
विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक हिंदू परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ करने और धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के संकल्प के साथ रविवार को संपन्न हो गई। विहिप के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बैठक में लिये गए विभिन्न निर्णयों की रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हिंदू परिवार व्यवस्था को विखंडित करने के लिए देश विरोधी विभिन्न शक्तियां षड्यंत्र रच रही हैं। बैठक में हिंदू परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ करने और धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के संकल्प के साथ बैठक में प्रस्ताव पास किया गया। आलोक कुमार ने बताया कि हिंदू परिवार व्यवस्था पर हो रहे प्रहारों तथा बढ़ते लव जिहाद एवं धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए एक व्यापक कार्य योजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत बजरंग दल आगामी 30 सितंबर से 14 अक्टूबर के बीच देशव्यापी शौर्य जागरण यात्राएं निकालेगा। इन यात्राओं के माध्यम से देश के हर कोने में रहने वाले हिंदुओं को संगठित कर उन्हें इन समस्याओं से निपटने में सक्षम बनाया जाएगा। दीपावली के आस-पास पूज्य संतों के देशव्यापी प्रवासों के मध्यम से जन-जन तक पहुंच बढ़ाकर व्यक्तियों को परिवारों से और परिवारों को सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन मूल्यों से पुनः जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। हिंदू परिवार व्यवस्था पर बैठक में पारित प्रस्ताव की प्रति मीडिया को जारी करते हुए विहिप कार्याध्यक्ष ने कहा कि गत कुछ दशकों में हमारी परिवार व्यवस्था पर मनोरंजन जगत, वामपंथी शिक्षाविदों एवं न्यायालयों के कुछ निर्णयों तथा भौतिकता वादी और भोगवादी मानसिकता ने गहरे आघात किए हैं। इनके कारण व्यक्ति को परिवार, कुटुंब, समाज एवं राष्ट्र से जोड़ते हुए विश्व के कल्याण की कामना तक ले जाने वाली यह अनुपम व्यवस्था विखंडन की ओर बढ़ रही है।

पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस तीसरे ट्रायल रन के दौरान पहुंची रांची

रांची: पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस का तीसरा और अंतिम ट्रायल रन किया गया। यह ट्रेन रविवार को रांची में एक बजे पहुंची। इसके बाद चार बजकर 15 मिनट पर पटना के लिए रवाना हो गई। इसके पहले ट्रेन कोडरमा 9.39 पर पहुंची और दो मिनट के स्टॉपेज के बाद कोडरमा स्टेशन से अपने अगले गंतव्य स्थान हजारीबाग टाउन के लिए रवाना हो गई। प्लेटफार्म संख्या 6 खाली नहीं होने के कारण यह ट्रेन कोडरमा में हावड़ा दिल्ली डाउन लाइन के प्लेटफार्म संख्या 3 पर रुकी और उसी प्लेटफार्म से उसे हजारीबाग, बरकाकाना, रांची नई रेल लाइन पर से शिफ्ट किया गया।

स्थानीय भाषाओं के संवर्धन की आवश्यकता: कोविंद

टीम एक्शन इंडिया/कानपुर
संघ लोकसेवा आयोग परीक्षा में हिंदी माध्यम की आल इंडिया टॉपर आईएएस कृतिका मिश्रा को आर्शीवाद देते हुए देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को कहा कि हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की महत्ता दी जाय। उन्होंने कहा कि न्यायालय तक जन भाषा की आवश्यकता है और प्रशासनिक सुविधाओं की जनता तक पहुंच बढ़ाने के लिए स्थानीय भाषाओं के संवर्धन की आवश्यकता है। विपश्यना तकनीक का उल्लेख करते हुए दूरदर्शिता पर जोर दिया जाय। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने के लिए रविवार को सर्किट हाउस में आईएएस टॉपर कृतिका मिश्रा अपने पिता डॉ. दिवाकर मिश्रा के साथ पहुंची और उनसे मुलाकात किया।

'सोशल मीडिया अकाउंट सेफ रखना बड़ी बात'

कानपुर: कभी ईमेल पर तो कभी एसएमएस के द्वारा या फिर कभी लुभावने ऑफर दिखाकर लोगों को ठगी के जाल में फंसाने वाले साइबर अपराधी नित नए तरीके इजाद कर रहे हैं। अपने दिन का अधिकांश समय सोशल मीडिया और मोबाइल फोन पर बिताने वाले युवाओं को साइबर ठगी के नए हथकंडों से बचने के लिए पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की क्राइम ब्रांच साइबर सेल अवेयरनेस प्रोग्राम चला रही है। साइबर अवेयरनेस सेशन में शनिवार को कल्याणपुर के कोचिंग संस्थान में छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। छात्रों के साथ कोचिंग में पढ़ा रहे शिक्षकों ने भी जागरूकता अभियान में भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्त्र के पिमामिडों को देखा।

आंकड़े — आंकड़ों के अनुसार राज्य में वर्ष 2019 में 2058 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया

झारखंड में साढ़े चार वर्षों में हत्या की 8787 वारदातें

वारदात

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में अब तक पिछले चार वर्षों की तुलना में हत्या की वारदात कम हुई है

टीम एक्शन इंडिया/रांची
झारखंड में साढ़े चार वर्षों में 8787 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। राजधानी रांची में साढ़े चार वर्षों में सबसे अधिक 794 हत्या की वारदातें हुईं हैं। पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार राज्य में वर्ष 2019 में 2058 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। इनमें रांची में 189, धनबाद में 102, गिरिडीह में 135, हजारीबाग में 103, जमशेदपुर में 93, पलामू में 121, साहिबगंज में 85, दुमका में 72, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)में 122, बोकारो में 88, लातेहार में 66, जामताड़ा में 28, सरायकेला में 64, सिमडेगा में 54, रेल धनबाद में छह, रेल जमशेदपुर में चार, देवघर में 97, गोड्डा में 76, गुमला में 128, लोहरदगा में 33, चतरा में 67, गढ़वा में 138, कोडरमा में 37 खूंटी में 81, रामगढ़ में 36, और पाकुड़ में 33 शामिल है। वर्ष 2019 में सबसे अधिक हत्या की वारदात राजधानी रांची में हुई है। इसी प्रकार वर्ष 2020 में 1996 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है।